●वर्ष : 16 ●अंक : 232 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

रविवार 15 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

वन नेशन-वन इलेक्शन का ड्राफ्ट देखे बिना विरोध पर उतरी सपा-कांग्रेस

नूना न्यूज एजेंसी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश-एक चुनाव की तरफ बढ़ती मोदी सरकार रास नहीं आ रही है। अखिलेश ने तो वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात भी कहना शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से कहा कि एक देश-एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो जाती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी गई सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा। मगर सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पड़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हैं। ऐसा इसलिये भी लगता है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐस असंभव है। सपा प्रमुख तो यहां तक सोचने लगे हैं कि एक देश, एक चुनाव लोकतंत्र के खिलाफ एकतंत्री सोच का बड़ा षड्यंत्र है, जो चाहता है कि एक साथ ही पूरे देश पर कब्जा कर लिया जाए। इससे चुनाव एक दिखावटी प्रक्रिया बनकर रह जाएगी। सपा सूत्रों के मुताबिक इस मामले में अखिलेश यादव ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके। उधर, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक देश-एक चुनाव के जरिये भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र व यूपी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा का झूठ उजागर हो चुका है। जनता अब इनके झांसे में नहीं आ रही है। ऐसे में एक नया शिगूफा लाया गया है। बता दें कांग्रेस और सपा से इतर बसपा सुप्रीमों मायावती एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर चुकी हैं। बीते सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि इस पर उनकी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है।

कांग्रेस के मुंह लगा संविधान संशोधन का खून: पीएम मोदी

इंदिरा ने एससी के फैसले को पलटा, राजीव ने कट्टरपंथियों का दिया साथ

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि करीब 6 दशक में 75 बार संविधान बदला गया। जो बीज देश के पहले प्रधानमंत्री जी ने बोया था उस बीज को खाद-पानी देने का काम एक और प्रधानमंत्री ने किया, उनका नाम था श्रीमति इंदिरा गांधी। 1971 में सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला आया था, उस फैसले को संविधान बदलकर पलट दिया गया था, 1971 में संविधान संशोधन किया गया था। उन्होंने हमारे देश की अदालत के पंख काट दिए थे। जब देश संविधान के 25 वर्ष पूरे कर रहा था उसी समय हमारे संविधान को नोच दिया गया, आपातकाल लाया गया। संवैधानिक व्यवस्थाओं को समाप्त कर दिया गया, देश को जेल खाना बना दिया गया, नागरिकों के अधिकारों को लूट लिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को ताला लगा दिया गया, कांग्रेस के माथे पर यह जो पाप है वह धूलने वाला नहीं है। इमरजेंसी के समय देश के लोगों के अधिकार छीने गए, अखबारों की आजादी पर ताले लगाए, लोकतंत्र का गला घोट दिया, जिस जज ने इंदिरा गांधी के चुनाव लड़ने के खिलाफ आदेश दिया था, उन्हें मुख्य न्यायधीश नहीं बनने दिया गया। तत्कालीन पीएम राजीव गांधी ने न्याय के लिए लड़ रही महिला के बजाय कानून बनाकर कट्टरपंथियों का साथ दिया। आज, हमारा संविधान 75 वर्ष का हो गया है, लेकिन हमारे लिए, प्रत्येक 25 वर्ष का अवसर महत्वपूर्ण है, प्रत्येक 50 वर्ष महत्वपूर्ण है, और प्रत्येक 60 वर्ष महत्वपूर्ण है। आइए इतिहास पर नजर डालें और देखें कि संविधान की यात्रा के दौरान क्या उपलब्धियां हासिल की गईं। जब भारत अपने संविधान के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा था, तब हमारे देश के संविधान की धज्जियां उड़ा दी गईं। आपातकाल लगा दिया गया! संवैधानिक प्रावधानों को निलंबित कर दिया गया! पीएम मोदी ने कहा कि भारत की एकता को मजबूती देने का निरंतर हम प्रयास करते रहे हैं। धारा 370 देश की एकता पर रुकावट बना पड़ा था, दीवार बना पड़ा था। देश की एकता हमारी प्राथमिकता थी जो कि हमारे संविधान की भावना थी और इसलिए धारा 370 को हमने जमीन में गाड़ दिया... हमारे देश में एक लंबे समय तक ऋ्रळ को लेकर चर्चा चलती रही। मैं समझता हूं अर्थव्यवस्था की एकता में ऋ्रळ ने बहुत बड़ी भूमिका अदा की है... यह 'वन नेशन-वन टैक्स' की भूमिका को आगे बढ़ा रहा है। हमारे देश में राशन कार्ड गरीब के लिए एक मूल्यवान दस्तावेज रहा है लेकिन गरीब एक राज्य से दूसरे राज्य में जाता था तो उसके पास कुछ भी प्राप्त करने का अधिकार नहीं था... एकता के भाव को मजबूत करने के लिए हमने 'वन नेशन वन राशन' कार्ड की बात की।

नांदेड़ में शिवसेना यूबीटी नेता का अपहरण, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। के नांदेड़ में शिवसेना (यूबीटी) नेता का अपहरण होने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि नांदेड़ शिवसेना यूबीटी के नेता गौरव कोटगिरे का शुक्रवार रात को कुछ नकाबपोश लोगों ने अपहरण कर लिया था। हालांकि कुछ घंटे बाद उन्हें छोड़ दिया गया था। घटना नांदेड़ के बाफना इलाके की है।

>> पुलिस ने दी ये जानकारी

पुलिस ने बताया कि 'जब गौरव कोटगिरे अपने गैराज में काम कर रहे थे, तब उन्हें जबरन एक एसयूवी में डाल दिया गया और एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। कुछ घंटों बाद उन्हें छोड़ दिया गया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया।' पुलिस ने बताया कि शिवसेना यूबीटी नेता ने दावा किया है कि आरोपियों ने अपने चेहरे ढके हुए थे और उन्हें हथियार के बल पर धमकाया था। आरोपियों ने कथित तौर पर उनसे कहा कि वह राजनीति और संपत्ति सौदों में ज्यादा शामिल न हों और साथ ही अन्य नेताओं के बारे में भी भला बुरा न बोलें।

नांदेड़ के इतवारा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा आरोपियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

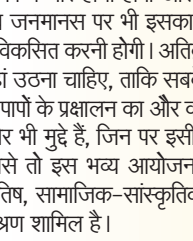

प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने को ऐसे समझिए

दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में मनाया जाने वाला महाकुंभ मेला सनातनी आस्था, संस्कृति और प्राचीन परंपरा का अद्भुत और बेमिसाल मिश्रण है। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं। आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज एक बार फिर इस शानदार उत्सव का केंद्र बन जाएगा, जो लाखों तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को भक्ति, एकता और भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा। इसलिए इसके राजनीतिक प्रभावों से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर यदि हमारा नेतृत्व संवैधानिक राज के साथ-साथ सनातनी राज जैसी जनभावनाओं का भी बीजारोपण करे, तो यह भारत भूमि/आसेतु हिमालय के लिए बहुत बड़ा उपकार होगा। क्योंकि हमारी धर्मनिरपेक्ष नीतियां हीं हमारे बन्धु-बांधवों के दमन और उत्पीड़न की पर्याय बनती जा रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आसेतु हिमालयी देशों में हिन्दू जनमानस प्रताड़ित हो रहा है और हमारे नागा साधु भी इस स्थिति से उन्हें निजात नहीं दिलवा पा रहे हैं। भारत सरकार भी स्पष्ट और आक्रामक नीति से बच रही है, क्योंकि उसकी धर्मनिरपेक्षता ने हिन्दू उत्पीड़न को अघोषित गारंटी प्रदान करती जा रही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। इस पर हमारे साधु-संतों को गम्भीर होना होगा और धर्मनिरपेक्ष सरकार पर दबाव बनाना होगा। विश्व जनमानस पर भी इसका दबाव पड़े, यह चिंतन व अभिव्यक्ति शैली भी हमें विकसित करनी होगी। अतिक्रमित हिन्दू मंदिरों के पुनरुद्धार का मसला भी यहां उठना चाहिए, ताकि सबके बीच एक सकारात्मक संदेश जाए। इतिहास के पापों के प्रक्षालन का और कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इसके अलावा, और भी मुद्दे हैं, जिन पर इसी बहाने एक सकारात्मक बहस छिड़नी चाहिए। वैसे तो इस भव्य आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों से परे खगोल विज्ञान, ज्योतिष, सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक ज्ञान का समृद्ध मिश्रण शामिल है।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

तीसरी बार दिल्ली कूच असफल

हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस-वाटर कैनन से रोके किसान

>> अब किसानों ने किए ये बड़े एलान

गंदा पानी फेंकने का आरोप

किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि पुलिस की तरफ से गंदा पानी फेंका गया। केमिकल वाला स्प्रे किया गया। किसानों पर पुलिस ने ड्रोन से भी आंसू गैस के गोले छोड़े।

नूना न्यूज एजेंसी।

चंडीगढ़। मांगों को लेकर बीते 10 महीनों से डटे पंजाब के किसानों ने शनिवार को शंभू बॉर्डर से दोपहर 12 बजे दिल्ली के लिए कूच किया। हालांकि वे बॉर्डर से आगे नहीं जा सके।

>> दो घंटे बाद लौटे

करीब दो घंटे की कशमकश के बाद किसानों का जत्था वापस लौट गया। पंधेर ने कहा कि हम चाहते हैं कि देशभर के किसान अपनी आवाज उठाएं, अगर वो ऐसा करेंगे तो आंसू गैस समेत ये सारी चीजें बंद कर दी जाएंगी और हमें दिल्ली जाने दिया जाएगा और हमारी मांगें पूरी की जाएंगी। हरियाणा पुलिस जनता को गुमराह कर रही है। 100 लोगों का पैदल चलना देश के लिए खतरनाक कैसे हो सकता है।

पुलिस ने उन्हें रोक लिया। दो घंटे बाद किसान वापस लौट आए। इसके बाद प्रेस वार्ता कर किसान नेताओं ने एलान किया कि 16 दिसंबर को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा और 18 दिसंबर को पंजाब में ट्रेनें रोकी जाएंगी।

>>> हमारी आवाज को न कुचलो

किसानों ने पुलिस से कहा कि हमारी आवाज को न कुचला जाए। इस पर पुलिस ने कहा कि किसान दिल्ली जाने की अनुमति दिखाएं और आगे जाएं। पुलिस का कहना था कि यदि किसानों के पास अनुमति है तो वे खुद उन्हें दिल्ली तक छोड़कर आएंगे।

>>> बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश पर चली वाटर कैनन

इसके बाद किसानों की तरफ से बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया गया। जिसके बाद पुलिस ने किसानों पर वाटर कैनन का प्रयोग किया। इसके अलावा आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पुलिस की कार्रवाई से किसानों में भगदड़ मच गई। किसान कड़ाके की ठंड में ठंडे पानी से बचने के लिए इधर उधर भागने लगे। किसानों ने आरोप लगाया कि उन पर एक्सपायरी डेट के आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

जज लोया का नाम लेकर क्या बोलीं मोइत्रा? संसद में मच गया हंगामा

दिल्ली। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर संविधान में हजारों कटौती कर-के खून बहाने का आरोप लगाया और कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राजनीतिक कार्यपालिका ने पिछले 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। संविधान के 75 साल पूरे होने पर लोकसभा में बहस के दौरान मोइत्रा ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को परेशानी इस बात से है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य समझौता करने की पूरी कोशिश करते नजर आते हैं।निवर्तमान सीजेआई ने स्पष्ट रूप से बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान जमानत का अधिकार कैसे दिया गया है। अर्णब के लिए ए से लेकर जुबैर के लिए जेड तक, उनके अक्षर संक्षिप्त प्रतीत होते हैं क्योंकि इसमें गुलफिशा फातिमा के लिए जी शामिल नहीं था, हनी बाबू के लिए एच शामिल नहीं था, खालिद सैफी के लिए के शामिल नहीं था, शरजील इमाम के लिए एस शामिल नहीं था। चंद्रचूड़ के स्पष्ट संदर्भ में, मोइत्रा ने कहा कि पूर्व सीजेआई ने यह कहने का मुद्दा उठाया कि सुप्रीम कोर्ट का उद्देश्य राजनीतिक विपक्ष की तरह काम करना नहीं है।

मणिपुर हिंसा पर राज्यों से मांगा ब्यौरा

धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर सुप्रीम कोर्ट कि रोक

>> वीएचपी के प्रोग्राम में जस्टिस के बयान

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव ने विश्व हिंदू परिषद (VHP) के कार्यक्रम में जो भाषण दिया, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट से जानकारी मांगी है। 8 दिसंबर को इलाहाबाद हाई कोर्ट में VHP) की कानूनी इकाई और हाई कोर्ट इकाई के एक प्रांतीय सम्मेलन में कहा था कि समान नागरिक संहिता (वउउ) का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिर्पेक्षता को बढ़ावा देना है। जस्टिस यादव के बहुसंख्यक के हिसाब से कानून समेत अन्य कथित बयान का विडियो सामने आने पर कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

>> धार्मिक स्थलों पर ना तो नए केस हों न सर्वे के आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि धार्मिक स्थलों पर अदालतें कोई भी अंतरिम या फाइनल ऑर्डर न दें और न ही सर्वे के आदेश जारी करें। उनमें भी नहीं जो पहले से अदालतों में पेंडिंग हैं। साथ ही कहा कि अगले आदेश तक अदालत में कोई भी नया वाद (Suit) दर्ज नहीं किया जाएगा और न ही कोई कार्यवाही की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना वाली बेंच ने यह बात 1991 उपासना स्थल (स्पेशल प्रावधान) ऐक्ट यानी प्लेसेज ऑफ वर्शिप ऐक्ट पर हुई सुनवाई में कही। कहा कि सुप्रीम कोर्ट ऐक्ट की संवैधानिक वैधता और उसके दायरे का परीक्षण कर रहा है। ऐसे में सभी अदालतें आदेश पारित करने से दूर रहें। केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह मामले में दाखिल याचिका पर चार हफ्ते में अपना जवाब दें।

>> डॉक्टरों से जुड़ी सिफारिश पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से मांगे सुझाव

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर मामले में सीबीआई की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में ट्रायल एक महीने में पूरा होने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि स्पेशल कोर्ट सोमवार से गुरुवार लगातार मामले की सुनवाई कर रही है। 43 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 81 गवाहों के बयान दर्ज कराए जाने हैं। ट्रायल 1 महीने में पूरा होने की संभावना है।

दादर रेलवे स्टेशन के बाहर बने हनुमान मंदिर को भेजे गए नोटिस पर रोक

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। के दादर रेलवे स्टेशन के बाहर बने हनुमान मंदिर को अब नहीं हटाया जाएगा। रेलवे ने मंदिर को दिए गए नोटिस पर रोक लगा दी है। मध्य रेलवे की ओर से कहा गया कि भाजपा नेता आशीष शेलार और मंगल प्रभात लोढ़ा के अनुरोध पर हनुमान मंदिर के खिलाफ रेलवे के नोटिस पर रोक लगा दी गई है। इसे लेकर शिवसेना (उद्धव) के विधायक आदित्य ठाकरे ने भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि जब उद्धव ठाकरे ने भाजपा के फर्जी और चुनावी हिंदुत्व को उजागर किया तो रेलवे ने दादर मंदिर को दिए गए नोटिस को खारिज कर दिया। आज हम दादर मंदिर जा रहे हैं। रेलवे ने चार दिसंबर को दादर रेलवे स्टेशन के बाहर बने हनुमान मंदिर के ट्रस्टी और पुजारी को भेजे नोटिस में कहा था कि यह अतिक्रमण है। यह यात्रियों और वाहनों की आवाजाही को प्रभावित कर रहा है। इसने दादर स्टेशन पर निर्माण में भी बाधा उत्पन्न की है। रेलवे ने मंदिर को सात दिन में हटाने के लिए कहा था।

आदित्य ठाकरे ने भाजपा को घेरा

>> उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर बोला था हमला

दादर रेलवे स्टेशन के बाहर हनुमान मंदिर को गिराने के लिए रेलवे की ओर से दिए गए नोटिस को लेकर शुक्रवार को शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने भाजपा को घेरा था। उद्धव ने कहा था कि 80 साल पुराने मंदिर को गिराने के लिए रेलवे ने फतवा जारी किया है। एक हैं तो सेफ हैं की बात कहने वाली भाजपा के शासन में मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं। ठाकरे ने कहा था कि रेलवे 80 साल पुराने मंदिर को ध्वस्त करने की कोशिश कर रहा है। यह कौन सा हिंदुत्व है? केंद्र और राज्य सरकार इस पर निष्क्रिय है।

नूना न्यूज एजेंसी।

मणिपुर। वीएचपी के कार्यक्रम में बयान देने वाले हाईकोर्ट जज की चीफ जस्टिस से शिकायत की गई है। प्लेसेस ऑफ वर्शिप मामले पर बोला सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। वहीं सुनवाई तक मंदिर-मस्जिद विवाद पर कोई नया केस, आदेश या सर्वे नहीं देने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल प्रोफेशनल सुरक्षा पर मांगी सिफारिशें। मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से संपत्तियों को लेकर जानकारी मांगी है। इस सप्ताह यानी 9 दिसंबर से 14 दिसंबर 2024 तक क्या कुछ हुआ। कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

>> मणिपुर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा जलीं संपत्तियों का ब्यौरा दे राज्य

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार को निर्देश दिया है कि वह राज्य की जातीय हिंसा के दौरान जलाए गए और अतिक्रमण किए गए संपत्तियों का ब्यौरा पेश करे। अदालत ने कहा कि ब्योरा सील बंद लिफाफे में पेश किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार से यह बताने को कहा है कि उसने अपराधियों और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की है। अदालत ने याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए 20 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में मामले को लिस्ट करने का आदेश दिया है।

सार संक्षेप

कुब्रा सैत ने की अनन्या पांडे की तारीफ

मुंबई: अपनी बेबाक और बोल्ड व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री और मॉडल कुब्रा सैत ने अनन्या पांडे की तारीफ की है। कुब्रा दूसरों को प्रोत्साहित करने और उनकी सराहना करने में कभी नहीं हिचकिचाती हैं। उनके दूसरों को प्रोत्साहित करने का भाव एक हालिया उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने अभिनेत्री अनन्या पांडे की अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर करने के लिए सराहना की। अनन्या ने एक टॉक-शो में खुलकर बताया कि वह कैसे अपने दिल की बात खुलकर कहती हैं, जिसके लिए कुब्रा ने दिल खोलकर उनकी तारीफ की। सोशल मीडिया पर अनन्या का वीडियो शेयर करते हुए कुब्रा ने लिखा कि डियरेस्ट अनन्या पांडे , इट डज नॉट मैटर इफ यू आर 20 व्हाटएवर ओल्ड और ब्लाह जस्ट कंटिन्यू टू बी यु... कॉज द रिवॉर्ड इन द एंड इज यु नोइंग यु डीड बेस्ट एंड वर ट्रुथफुल एंड ऑनेस्ट टू योर ओन सेल्फ मोर पावर टू योर बिग हार्ट एंड गो गेट बिगर स्लीव्स !साइन्ड, 40 ईयर बिग हार्ट! कुब्रा के पोस्ट पर अनन्या ने इस तरह से रिस्पांस जाहिर किया कि कुब्रा! सो स्वीट बिग लव टू यू।

सर्वेक्षण पोत 'निर्देशक' बुधवार को नौसेना के बेड़े में शामिल होगा

नई दिल्ली: नौसेना के नये सर्वेक्षण पोत 'निर्देशक' को बुधवार को विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे और इसमें नौसेना और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के वरिष्ठ अधिकारी सहित विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। जीआरएसई कोलकाता में निर्मित इस पोत में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है, जो जहाज डिजाइन और निर्माण में भारत की विशेषज्ञता और भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की पुष्टि करता है। इस पोत का वजन लगभग 3800 टन है और 110 मीटर लंबा यह जहाज दो डीजन इंजनों द्वारा संचालित है। यह अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक और समुद्र विज्ञान सर्वेक्षण उपकरणों से लैस है। सर्वेक्षण पोत परियोजना का दूसरा जहाज निर्देशक हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने, नेविगेशन में सहायता करने और समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।

सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली: भारत ने सीरिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है जबकि दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावास ने अन्य भारतीयों को निकालने की तैयारी कर ली है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में सीरिया के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि सीरिया में भारतीय दूतावास लगातार काम कर रहा है। हमने सीरिया से उन सभी भारतीय नागरिकों को निकाल लिया है जो उस देश में हाल के घटनाक्रम के बाद घर लौटना चाहते थे। अब तक सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। प्रवक्ता ने कहा कि दमिश्क में हमारे दूतावास के कर्मी उनके साथ सीमा तक गए, जिसके बाद लेबनान में हमारे मिशन ने उनका स्वागत किया और उनके आव्रजन की सुविधा प्रदान की। दूतावास ने बेरूत में उनके रहने-खाने और घर वापस आने की व्यवस्था की।

नायब सैनी ने डिस्टी चैनल के पुनर्वास के लिए दी मंजूरी

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने टीएल फतेहाबाद ब्रांच पर कुटियाना डिस्टी चैनल के पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के लिए 1132.31 लाख (संशोधित अनुमान) की राशि को प्रशासनिक मंजूरी दी है। इस संबंध में शुक्रवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस चैनल के पुनर्वास का कार्य वन विभाग द्वारा वनों की कटाई के मुद्दे के कारण आज तक शुरू नहीं किया जा सका। अब वन विभाग चैनल के रास्ते में आने वाले पेड़ों को हटाने के लिए सहमत हो गया है और वनों की कटाई का काम प्रक्रिया में है। उन्होंने बताया कि कई वर्षों से चैनल का पुनर्वास नहीं होने के कारण आसपास के गांवों के शेयरधारक अधिकृत आपूर्ति से वंचित हो रहे हैं। लेकिन अब इस योजना की प्रशासनिक मंजूरी के चलते जल्द ही इन गांवों के शेयरधारकों को आपूर्ति हो सकेगी।

राहुल बोले- जैसे एकलव्य का अंगूठा कटा, उसी तरह देश की जनता का अंगूठा काट रही मोदी सरकार

सावरकर के लेख का हवाला देकर किया भाजपा को संविधान के मुद्दे पर कटघरे में खड़ा

>> कहा- भाजपा जिस सावरकर की पूजा करती है, उसने भारत के संविधान की जगह मनुस्मृति के प्रति निष्ठा जताई थी

>> हम जातिगत जनगणना कराने के साथ आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को भी हटाएंगे

नई दिल्ली। 14 दिसंबर भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सावरकर के लेख का हवाला देते हुए भाजपा-आरएसएस पर तीखा राजनीतिक प्रहार किया। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे एकलव्य का अंगूठा कटा, उसी तरह मोदी सरकार देश की जनता का भविष्य और हुनर छीनकर उनका अंगूठा काट रही है। संविधान और लोकतंत्र की महत्ता के बारे में अपनी बात रखते हुए राहुल गांधी ने कहा कि संविधान आधुनिक भारत का दस्तावेज है, लेकिन इसे प्राचीन भारत और उसके विचारों के बिना कभी नहीं लिखा जा सकता था। अपने एक हाथ में संविधान और दूसरे हाथ में मनुस्मृति दिखाकर उन्होंने सावरकर के लेख का हवाला देते हुए भाजपा-आरएसएस पर करारा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, सावरकर ने अपने लेख में स्पष्ट लिखा है कि हमारे संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। मनुस्मृति वह धर्मग्रंथ है जो हमारे हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति, रीति-रिवाज, विचार और व्यवहार का आधार बना है। आज मनुस्मृति कानून है। ये सावरकर के शब्द हैं, जिसकी भाजपा पूजा करती है। सावरकर ने स्पष्ट रूप से यह भी कहा कि भारत के संविधान की जगह मनुस्मृति को लाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब आप संविधान की रक्षा की बात करते हैं तो आप सावरकर को अपमानित करते हैं और उनका तिरस्कार करते हैं। उन्होंने आगे कहा, आज लड़ाई संविधान को मानने वालों और मनुस्मृति को मानने वालों के बीच है।

यू.सी.एम.ए.एस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2024: दिल्ली में गणित के छात्रों का लगा महाकुंभ

नई दिल्ली। भारत, 14 दिसंबर, 2024: जहां एक तरफ पूरे देश में प्रयागराज के होने वाले पारंपरिक महाकुंभ की चर्चा है, तो वहीं दूसरी तरफ राजधानी दिल्ली में भी एक अनोखे महाकुंभ का आयोजन किया गया। यू.सी.एम.ए.एस इंटरनेशनल प्रतियोगिता 2024 जो दुनिया की सबसे बड़ी अबेकस और मेंटल अर्थमैटिक प्रतियोगिता है, इसे दूसरी बार आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दो दिनों तक चला, जिसमें 30 देशों के 6,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से आए छात्रों ने गणित के प्रश्नों को हल करने की अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया। छात्रों के साथ-साथ इस कार्यक्रम में 15,000 से भी अधिक अन्य लोग, समर्थक व उनके माता-पिता शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भारत के 24 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया और छात्रों को 10,000 से अधिक ट्रॉफी देकर उनकी असाधारण योग्यता का सम्मान किया गया। दिल्ली में वैश्विक स्तर पर आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों के मानसिक विकास को और बढ़ाने के प्रति यू.सी.एम.ए.एस की प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में अबैकस और मेंटल अर्थमैटिक की तकनीकों से और क्या बेहतर कर सकते हैं, यह हौसला बढ़ाना था। पत्रकारों से बात करते हुए, यूसी इंटरनेशनल कॉरपोरेशन के सीईओ श्री एलेक्सन वोंग ने कहा कि, यू.सी.एम.ए.एस प्रतियोगिता अपने आप में बहुत ही प्रभावशाली प्रतियोगिता बन गई है। जिसमें वैश्विक स्तर पर इतने सारे छात्र मेंटल अर्थमैटिक की शक्ति का प्रदर्शन करने हेतु एक साथ एकत्रित हुए। यह प्रतियोगिता न सिर्फ उनकी बौद्धिक क्षमता की परीक्षा लेती है बल्कि उनकी रचनात्मकता को और बढ़ाने का भी प्रयास करती है। श्री वोंग ने आगे कहा कि, यू.सी.एम.ए.एस अबैकस के प्राचीन उपकरण को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ जोड़कर एक अनोखा शैक्षिक अनुभव प्रदान करता है। यू.सी.एम.ए.एस के पाठ्यक्रम से दुनिया भर के 30 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं, जिनकी रचनात्मक क्षमता और अधिक मजबूत हुई है। इस प्रतियोगिता में छात्रों को केवल अबैकस या

मेंटल मैथ तकनीकों का उपयोग करते हुए 8 मिनट में 200 गणितीय सवाल हल करने थे। यह न केवल उनकी गणितीय दक्षता का प्रमाण है, बल्कि उनकी विजुअल मेमोरी, फोकस और समग्र शिक्षा उत्कृष्टता का भी प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तियों के अलावा, इस कार्यक्रम में भारत के कई नेता भी शामिल हुए। सांसद मनोज तिवारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुश्री मीनाक्षी लेखी ने यू.सी.एम.ए.एस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2024 में भाग लिया और युवा प्रतिभागियों को अपना प्रोत्साहन और समर्थन दिया। दोनों नेताओं ने छात्रों, अभिभावकों और विश्व नेताओं के साथ बातचीत की और यू.सी.एम.ए.एस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और संज्ञानात्मक कौशल के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के बाद, एक पुरस्कार समारोह में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 1,250 से अधिक ट्रॉफियाँ प्रदान की जाएँगी। इस समारोह में छात्रों, माता-पिता, गणमान्य व्यक्तियों और वीआईपी मेहमानों की उपस्थिति में प्रतिभाशाली छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा। यू.सी.एम.ए.एस के बारे में 1993 में मलेशिया में स्थापित, यू.सी.एम.ए.एस एबैकस-आधारित मानसिक गणित शिक्षा प्रदान कराने में सबसे आगे है। 80 से अधिक देशों और दुनिया भर में 6,000 से अधिक केंद्रों में उपस्थिति के साथ, यूसीएमएएस ने वैश्विक स्तर पर तीन मिलियन से अधिक बच्चों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। संगठन का समय-परीक्षणित पाठ्यक्रम पूरे मस्तिष्क के विकास को बढ़ावा देता है, जिससे बच्चों को अपना ध्यान, स्मृति, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल बढ़ाने में मदद मिलती है। यू.सी.एम.ए.एस इंडिया के बारे में यू.सी.एम.ए.एस इंडिया 1999 में अपनी स्थापना के बाद से मानसिक गणित शिक्षा में अग्रणी रहा है। 2024 में, यू.सी.एम.ए.एस इंडिया नए बच्चों को सशक्त बनाने में 25 साल की सफलता का जश्न मनाएगा। संगठन भारत भर में फ्रैंचाइजी के साथ अपनी पहुँच का विस्तार कर रहा है और जल्द ही कई नए केंद्र खोलने की योजना है। यू.सी.एम.ए.एस इंडिया बच्चों को गणित में एक मजबूत आधार बनाने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्हें प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफलता के लिए तैयार करता है। यह संगठन एबैकस और मानसिक अंकगणित में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश भर में अपने केंद्रों के लगातार बढ़ते नेटवर्क के साथ, यू.सी.एम.ए.एस इंडिया नए तेज दिमाग वाले बच्चों को आकार देना जारी रखता है, जिससे गणित सीखना एक रोमांचक और पुरस्कृत यात्रा बन जाती है।

वर्ष 2023 में तपेदिक की घटनाओं की दर 17.7 प्रतिशत घटकर 195 प्रति लाख रह गई: नड्डा

दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि भारत में तपेदिक की घटनाओं की दर 2015 में प्रति एक लाख की आबादी पर 237 से 17.7 प्रतिशत घटकर 2023 में 195 रोगी प्रति लाख रह गई है। नड्डा ने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि तपेदिक से होने वाली मौतें 2015 में प्रति एक लाख की आबादी पर 28 से 21.4 प्रतिशत घटकर 2023 में 22 रह गयी है। भारत सरकार ने 2025 तक तपेदिक को खत्म करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-2025) लागू की है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 से पांच साल पहले है। मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) लागू करता है। मंत्री ने कहा, ह्यह्यएनटीईपी ने भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता आडवाणी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

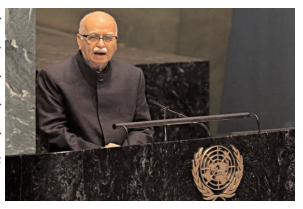

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को यहां अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि आडवाणी चिकित्सकों की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर है। वह न्यूरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में हैं। पूर्व उप प्रधानमंत्री (96) को करीब दो दिन पहले अस्पताल लाया गया था। उन्हें इस साल की शुरूआत में भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि आडवाणी को अभी अस्पताल में क्यों भर्ती कराया गया है।

शुक्रवार को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ जम्मू में कश्मीरी पंडितों ने विरोध प्रदर्शन किया।

मेरे खिलाफ चल रहा है अभियान: धनखड़

कहा- विपक्ष को मेरे खिलाफ प्रस्ताव लाने का संवैधानिक अधिकार है

● नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सदन में अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलना राष्ट्र और समाज के लिए आवश्यक है।

धनखड़ ने शुक्रवार सुबह सदन में शून्यकाल के दौरान व्यथा के साथ कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिन-रात केवल सभापति के खिलाफ अभियान चल रहा है... यह अभियान मेरे खिलाफ नहीं, बल्कि मेरी जैसी श्रेणी (किसानों) के खिलाफ है। सभापति ने कहा कि ..... यह स्वीकार करें कि मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं कमज़ोरी नहीं दिखाऊंगा, मैं देश के लिए मर जाऊंगा, मिट जाऊंगा....आप लोग नहीं सोचेंगे, 24 घंटे में केवल ही एक काम है, किसान का बेटा यहां क्यों बैठा है? मैं अपनी आंखों से देख रहा हूं और पीड़ा महसूस कर रहा हूं। धनखड़ ने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से पीड़ा है कि मुख्य विपक्षी दल ने सभापति के खिलाफ एक तीव्र अभियान चला रखा है। उन्हें मेरे खिलाफ प्रस्ताव लाने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों से हटा जा रहा हैं। सभापति ने कहा कि सार्वजनिक तौर पर जो कुछ कहा जा रहा है, उन्होंने उसका अध्ययन कर लिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष संविधान का पालन नहीं कर रहा है। अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देना और इसपर चर्चा की मांग करना विपक्ष का अधिकार है लेकिन इसके लिए प्रावधान निर्धारित हैं। विपक्ष संविधान का उल्लंघन कर रहा है।

'किसानों को शंभू बॉर्डर खाली करने के लिए करें राजी'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबसे बेहतर होगा कि समिति की ओर से किसानों को मनाने का प्रयास हो

● नई दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर धरना दे रहे किसानों को सुचारूपूर्वक खाली करने के लिए उन्हें मनाने का प्रयास करने का शुक्रवार को निर्देश दिया और साथ ही सुझाव दिया कि वे (किसान) अपना आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने यह निर्देश देते कहा कि इस मामले में शीर्ष अदालत द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के सदस्य सचिव ने पहले आश्वासन दिया था कि समिति किसानों को मनाने का संकल्प लेगी। शीर्ष न्यायालय ने महसूस किया कि बातचीत जारी रहने के कारण

आंदोलन को कुछ समय के लिए स्थगित किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा कि सबसे बेहतर होगा कि समिति की ओर से किसानों को मनाने का प्रयास हो चाहिए। फिलहाल, वे (किसान) अपना आंदोलन स्थगित कर सकते हैं। वे कहीं स्थानांतरित हो सकते हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं कि उन्हें विरोध नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कुछ नहीं होता है तो आंदोलन जारी रह सकता है। शीर्ष अदालत ने पिछले 17 दिनों से अनशन बैठे पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल को तत्काल चिकित्सा सहायता देने का भी निर्देश दिया। उसने कहा कि वे एक वरिष्ठ नागरिक हैं, उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं। उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ रही है। एक प्रमुख किसान नेता होने के नाते सरकार का यह कर्तव्य है कि वो दलेवाल को उनका अनशन तोड़े बिना तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करें। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान जोर देकर कहा कि समिति का प्राथमिक कार्य किसानों को अपना आंदोलन स्थानांतरित करने या अस्थायी रूप से निलंबित करने के लिए राजी करना है ताकि नाकाबंदी हटाई जा सके। समिति को इस मुद्दे को हल करने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि समिति की प्रगति अनुमान से धीमी है। उन्होंने कहा कि एक प्रारंभिक रिपोर्ट दायर की गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आंदोलनकारी किसानों पर बल प्रयोग के खिलाफ एक मजबूत सिफारिश की गई है। उसने कहा कि राजमार्ग की नाकाबंदी एक कारण से है। हम चाहते हैं कि कारण की पहचान की जाए। कारण पूरी तरह से और आंशिक रूप से सही हो सकता है। हम ऐसा निर्देश जारी करने के इच्छुक नहीं हैं, जिसे लागू करना मुश्किल हो।₹ शीर्ष न्यायालय ने मेहता के और पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने किसानों को मनाने के लिए समिति द्वारा दिए गए सुझाव पर सहमति जताई।

शुक्रवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ देवघर में बाबा बदियानाथ धाम मंदिर (ज्योतिर्लिंग) और देवी पार्वती (शक्ति पीठ) में पूजा की।

CMYK

जिलाधिकारी ने किया रेनबसेरे का निरीक्षण,रेनबसेरा की लोकेशन व सुविधाओं की जानकारी के लिए ऐप बनाने का दिया निर्देश

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। शनिवार की देर शाम जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने नगर पालिका अमरोहा क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के निकट गरीबों निराश्रितों राहगीरों बाहर से आने वाले व्यक्तियों के ठहरने के दृष्टिगत बनाये गए रेन बसेरा का मौके पर जाकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी की उपस्थिति में रैन बसेरे में ठहरने वाले लोगों के लेटने की व्यवस्था, कंबल, शौचालय, प्रतिदिन ठहरने वाले व्यक्तियों की संख्या सहित अन्य सुविधाओं को देखा और उपस्थित पंजिका का अवलोकन कर जानकारी ली।जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी अमरोहा को निर्देशित करते हुए कहा कि ठंड का मौसम चल रहा है रेन बसेरा में कोई भी दिक्कत नहीं होनी चाहिए सभी सुविधा पूर्ण होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि रेन बसेरा के निकट अलाव जलते रहना चाहिए । जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा गरीब निराश्रित राहगीर जो इधर-उधर बाहर घूम रहे हैं खुले में लेटे वैठे हैं उनको रैन बसेरे में लाएं। कहा की इसके लिए दो शिफ्ट टीम की लगाएं जो की रात में बाहर घूम रहे हैं व खुले में वैठे लेटे हैं उन व्यक्तियों को रैन बसेरा में ला सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत उनका आधार कार्ड पहचान पत्र भी लिया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति बीमार होता है तो उसे तत्काल चिकित्सा दिलाया जाना चाहिए । निर्देशित करते हुए कहा कि रैन बसेरा का एक ऐप बनाया जाए जिसमें बाहर से आने वाले लोगों को पता चल सके की रेनबसेरा कहां है और उसमें क्या क्या सुविधाएं हैं ताकि लोग लोकेशन देखकर रेन बसेरा में आकर ठहर सके । इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा डॉक्टर ब्रजेश कुमार सहित अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

मार्च 2025 में 32 लाख करोड़ की इकॉनमी बनेगा यूपीः सीएम

मुंबई, 14 दिसंबरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम-2024 में शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 के बाद यूपी में आए समृद्धि की चर्चा की तो अन्य सरकारों की गलत नीतियों को भी आड़े हाथ लिया। सीएम ने महाकुम्भ-2025 में सभी को आमंत्रित करते हुए कहा कि यह आस्था और आधुनिकता का प्रतिमान स्थापित करेगा। 40 करोड़ श्रद्धालु यहां आएंगे, इसके माध्यम से भी यूपी की ग्रोथ स्टोरी सुनने को मिलेगी। सीएम ने कहा कि यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है, जिस यूपी की जीडीपी 2012 से 2017 तक महज साढ़े 12 से 13 लाख करोड़ की इकॉनमी थी, मार्च 2025 में यूपी 32 लाख करोड़ की इकॉनमी बनेगा।

सीएम के निशाने पर रहा विपक्ष और उनकी नीतियां

सीएम ने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम 2007 में यूपी आए थे। उन्होंने अपनी पुस्तक ऐन आउटसाइड व्यूः व्हाई गुड इकोनॉमिक्स वर्क फॉर इवरीवन के लोकार्पण में कहा था कि भारत कभी भी धनी देश नहीं रहा। देश में सदा गरीबी थी और आज भी है। भारत में घी-दूध की नदियां और उसके सोने की चिड़िया होने के मिथक पर आधारित पुस्तकों को जला देने की आवश्यकता है। ऐसे नियंताओं से क्या उम्मीद हैं। यह राम, श्रीकृष्ण को मिथक और भारत की विरासत को अपमानित करते हैं।

भारत में बहुसंख्यक समाज के हितों की चर्चा हुई तो विपक्ष को लग गया बुरा

सीएम योगी ने कांग्रेस नेतृत्व में विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि इन लोगों ने राज्यसभा के सभापति उप राष्ट्रपति के खिलाफ नोटिस दी है। यह लोग सच बोलने वाले को महाभियोग का धौंस देकर उसके मुंह को बंद करने का प्रयास करेंगे, फिर भी संविधान की दुहाई देंगे। यह इनका दोहरा चरित्र है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति ने समान नागरिक संहिता की बात कही। दुनिया में बहुसंख्यक समाज की भावना का सम्मान हर हाल में होता है। भारत में बहुसंख्यक समाज के हितों की चर्चा हुई, किसी ने सच्चाई बोली तो कौन सा अपराध हुआ। राज्यसभा में इन लोगों ने माननीय न्यायमूर्ति के खिलाफ महाभियोग की नोटिस दी है। यह खुद को लोकतांत्रिक कहते हैं। संविधान की पुस्तक साथ लेकर चलते हैं, लेकिन इन्हें शर्म नहीं है। यह संविधान का गला घोंटने वाले लोग हैं।

देश में हर हाल में समान नागरिक कानून होना चाहिए

सीएम योगी ने कहा कि देश में हर हाल में समान नागरिक कानून होना चाहिए। दुनिया में बहुसंख्यक समाज जो कहता है, व्यवस्था वैसे संचालित होती है। भारत कह रहा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त होना चाहिए। बहुसंख्यक समाज कह रहा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त होना चाहिए, लेकिन यह लोग धौंस दे रहे हैं। यह लोग संविधान का गला घोंटकर जबरन अपने दम पर देश की व्यवस्था चलाना चाहते हैं। देश तमाशा देख रहा है। इन्हें एक्सपोज किए जाने की आवश्यकता है। अपनी दबंगई से सच को दबाने की कोशिश करते हैं।

अतिज्ञानी हैं राहुल गांधी, कह देंगे कि वेदव्यास जी संघ की शाखा में गए होंगे

कांग्रेसियों पर बरसते हुए योगी ने कहा कि भारत को नकारने वाले ऐसे लोग यहां की संस्कृति-सभ्यता, भाषा, परंपरा, मातृशक्ति, भारत से जुड़ी चीजों और गौरव को कमतर करने का प्रयास करते हैं। जब यह लोग रहेंगे तो ऐसी स्थिति होती रहेगी। सीएम ने कहा कि रामायण-महाभारत की चर्चा की। उन्होंने कहा कि महर्षि वेदव्यास आरएसएस या भाजपा से नहीं जुड़े थे, लेकिन अत्यंत ज्ञानी राहुल गांधी जैसे विद्वान यह भी कह देंगे कि वेदव्यास संघ की शाखा में गए होंगे।

थाना समाधान दिवस में पहुंची जिलाधिकारी, पूर्व में शिकायतों का निस्तारण न होने पर नायब तहसीलदार का वेतन रोका

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को हसनपुर कोतवाली प्रांगण में थाना समाधान दिवस जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिलाधिकारी ने फरियादियों की फरियाद को गंभीरता के साथ सुना तथा गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण के दिशा निर्देश दिए जिलाधिकारी ने पूर्व में लगे थाना दिवस में सुनी गई शिकायतों के रजिस्टर को भी गंभीरता से देखा और फरियादियों से फोन पर फीडबैक लिया निस्तारण नहीं हो पाने की दशा में जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से नायब तहसीलदार हसनपुर का वेतन रोकने के निर्देश दिए, जिलाधिकारी ने कहा कि थाना समाधान दिवस में आई शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए तथा फरियादियों की शिकायतों को गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण किया जाए वहीं उन्होंने कहा कि जमीन संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए, जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कहीं पर ग्राम समाज पैमाइश चक रोड अवैध कब्जे के मामले हैं तो उन्हें प्राथमिकता के साथ दोनों पक्षों को बुलाकर सुना जाए एक पक्ष के साथ निर्णय न किया जाए कहीं भी कोई प्रार्थना पत्र है तो उसका समय से गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण किया जाए, इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह व तहसील स्टाफ एवं अन्य लोग मौजूद रहे, उधर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने इससे पूर्व करनपुर माफी स्थित सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल का निरीक्षण किया तथा मध्यान भोजन के मसाले आदि चेक किए, वहीं जिलाधिकारी ने ग्राम भूत खतेड़ी में उप स्वास्थ्य केंद्र आरोग्य मंदिर का भी निरीक्षण किया, इस मौके पर विद्यालय करनपुर माफी का स्टाफ व हसनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर धुर्वेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा की नीतियों के विरुद्ध 18 दिसंबर को उत्तर प्रदेश विधानसभा का घेराव करेगी कांग्रेस पार्टीः ओंकार सिंह कटारिया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को अमरोहा जिला कांग्रेस पार्टी द्वारा हसनपुर में कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता की गई जिसमें कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष ओंकार सिंह कटारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश की जनता योगी सरकार के कुशासन से त्राहि त्राहि कर रही है, और यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और अपनी नाकामी छुपाने के लिए सिर्फ धार्मिक तुष्टिकरण की नीति अपना रही है आम जनमानस की हर समस्या का केवल एक जवाब है योगी सरकार के पास हिंदू और मुसलमान, आए दिन कोई ना कोई धार्मिक उन्माद फैलाकर एजेंडा सेट किया जाता है ताकि सरकार अपनी नाकामियों को छिपा सके, इसी के विरोध में अमरोहा जिले से भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा लखनऊ पहुंचकर विधानसभा भवन का घेराव 18 दिसंबर को 11 बजे किया जाएगा जिला अध्यक्ष ओंकार सिंह कटारिया ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी, इस मौके पर उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष तारीख मोहम्मद खान, पूर्व हसनपुर नगर अध्यक्ष सुनील सक्सेना आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ-2025: कर्नाटक में योगी के मंत्रियों ने रोडशो का किया नेतृत्व, जनता को दिया त्रिवेणी स्नान का निमंत्रण

बेंगलुरु, 14 दिसंबर। योगी सरकार प्रयागराज महाकुंभ-2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित भव्य रोड शो के माध्यम से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और जनता को महाकुंभ का न्योता दिया। उन्होंने महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का सबसे बड़ा पर्व बताते हुए इसे दिव्य, भव्य और डिजिटल बनाने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्रियों ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन में 45 करोड़ श्रद्धालुओं, साधु-संतों और पर्यटकों के आगमन की संभावना है। इसे स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है और तीन लाख पौधों का रोपण किया गया है। स्वास्थ्य सुविधाओं में 100-बेड का अस्पताल, आईसीयू और विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जा रही है। डिजिटल महाकुंभ के तहत आरएफआईडी रिस्टबैंड, जीपीएस ट्रैकिंग, स्मार्ट पार्किंग और एआई चैटबॉट जैसी तकनीकें लागू की जाएंगी। 44 घाटों पर पुष्प वर्षा, 15.25 किमी लंबे रिवर फ्रंट का निर्माण और सीसीटीवी आधारित भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएं मेले को ऐतिहासिक बनाएंगी। मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह आयोजन एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का उत्सव होगा। उन्होंने इसे भारतवर्ष की विविधता में एकता का जयघोष बताया।

सनातन की अलख जगाने श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े का महाकुम्भ नगर में हुआ भव्य प्रवेश

महाकुम्भ नगर , 14 दिसंबर। प्रयागराज में जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण 13 अखाड़ों का महाकुम्भ नगर में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में शनिवार को महाकुम्भ 2025 के लिए श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े ने पूरी भव्यता और राजसी अंदाज के साथ महाकुम्भ नगर में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने भी अनुगामी बनकर अपनी छावनी में प्रवेश किया।

सनातन की अलख जगाने जूना अखाड़ा पहुंचा महाकुम्भ नगर में अपनी छावनी

त्रिवेणी के तट पर लगने जा रहे आस्था के महा समागम महाकुम्भ में शामिल होने के लिए अखाड़ों का महाकुम्भ नगर में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार को श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े ने अपने आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी की अगुवाई में अपनी छावनी में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के श्री मौज गिरी आश्रम से शुरू हुई जूना की यह प्रवेशाई महा कुम्भ नगर के सेक्टर 20 में समाप्त हुई। जूना अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी का कहना है कि इस प्रवेश यात्रा में आचार्य महा मंडलेश्वर सहित 65 महा मंडलेश्वरों ने हिस्सा लिया। सौ से अधिक शाही बग्घियों में सवार होकर 8 हजार से अधिक साधु संत छावनी पहुंचे। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी का कहना है कि दुनिया भर के करोड़ों लोगों की नजरें हमारे सनातन संस्कृति के कालजयी पर्व पर हैं। हमारे अखाड़े का छावनी प्रवेश में पहला दिन होगा जिसके बाद अखाड़े के सभी पूजा अनुष्ठान छावनी में स्थापित देवता के समक्ष होंगे।

10 दिन में सजकर तैयार हो जाएगी कुम्भनगरी

महाकुम्भ नगर, 14 दिसंबर। तीर्थराज प्रयागराज में अगले साल होने जा रहे सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम महाकुम्भ 2025 के लिए योगी सरकार ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पीएम मोदी की विजिट के बाद अब 10 दिन के अंदर मेला क्षेत्र को पूरी तरह सजाने संवारने की योजना है। अधिकारियों ने सभी कार्यरत कर्मियों से आगामी 10 दिनों में तैयारियों को अमली जामा पहनाते हुए मेला क्षेत्र को सजाने का निर्देश दिया है। साथ ही, ढाई माह तक एकजुटता के साथ कार्य करते हुए महाकुम्भ के आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान देने की अपील की है।

अगले 10 दिनों का तय हुआ लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रयागराज दौरे पर महाकुम्भ से संबंधित 5500 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि 45 दिनों तक चलने वाले इस महा आयोजन की जो तैयारी की जा रही हैं, वह वाकई वृहद है। प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन इतिहास बनाने जा रहा है। पीएम मोदी और सीएम योगी महाकुम्भ की तैयारियों से संतुष्ट नजर आए। इससे अधिकारियों में भी उत्साह है। शुक्रवार शाम को पीएम और सीएम के जाने के बाद अधिकारियों ने अगले दस दिनों की कार्ययोजना के बारे में चर्चा की।

बिन रुके, बिना थके करना होगा काम

मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप अगले 10 दिन में मेला पूरी तरह सज संवर जाएगा। सभी अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। मेले की शुरूआत से लेकर समापन तक आगामी ढाई माह बिना रुके और बिना थके यूं ही कार्य करना होगा। दूसरी तरफ, पीएम और सीएम के दौरे के बाद अब अधिकारी सभी कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें 10 दिन के अंदर पूर्ण करने पर फोकस कर रहे हैं। पांटून पुल बनाने का कार्य तेजी से संपन्न हो रहा है, जबकि चैनेलाइजेशन का कार्य भी अंतिम चरण में है। लाइटिंग, टेंट, सौंदर्यीकरण समेत सभी कार्य प्रगति पर हैं और इनके निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

उत्तर भारत में स्वास्थ्य के मानक और मेडिकल एजुकेशन के स्टैंडर्ड तय कर रहा एसजीपीजीआईः सीएम

लखनऊ, 14 दिसंबर। आज एसजीपीजीआई उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि उत्तर भारत में स्वास्थ्य के मानक और मेडिकल एजुकेशन के स्टैंडर्ड को तय कर रहा है। बिना किसी शोरगुल के अपनी इस यात्रा को ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। वर्तमान में पीजीआई में रोबोटिक सर्जरी की जा रही है। अब इससे आगे बढ़कर एआई का इस्तेमाल कर पेशेंट को सुविधा देने की दिशा में पीजीआई केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह पीजीआई की नई ऊंचाइयों को दशार्ता है। पीजीआई में वर्ष 2024 में अब तक 1,16,000 पेशेंट ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें से 48,600 पेंशेट का इलाज किया गया। वहीं 14 हजार से अधिक ऑपरेशन किये गये जबकि 114 किडनी ट्रांसप्लांट, 32 बोनमेरो ट्रांसप्लांट, 1 लिवर ट्रांसप्लांट, 591 ओपन हार्ट सर्जरी और 319 रोबोटिक सर्जरी की गयी। यह पीजीआई की सफलता को दशार्ता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के 41 वें स्थापना दिवस समारोह में कहीं। इस दौरान सीएम योगी ने संस्थान की कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। साथ ही फैकल्टी मेंबर्स और स्टूडेंट्स को बेस्ट रिसर्च और परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया।

एनआरआई व विदेशी पर्यटकों के लिए सुविधाओं के उच्चतम प्रतिमान गढ़ रहा महाकुम्भ-2025

महाकुम्भनगर, 14 दिसंबर। सकल विश्व में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के तौर पर विख्यात कुम्भ मेला अब महाकुम्भ 2025 के नए स्वरूप में सनातन संस्कृति की शाश्वत प्रकृति को दशार्ने के लिए तैयार है। यह मोक्ष, आत्मिक-आध्यात्मिक उन्नति, स्व से साक्षात्कार के साथ ही एक ऐसा अनुभव होने जा रहा है जिसे हर किसी को जीवन में एक बार जरूर अनुभव करना चाहिए। न केवल समूचे भारत बल्कि पूरी दुनिया से 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक इस महासमागम के साक्षी बनने संगमनगरी तीर्थराज प्रयागराज आ रहे हैं। धवलवर्णा गंगा-श्यामल वर्णा यमुना तथा अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम पर 13 जनवरी से 27 फरवरी के मध्य 45 दिनों के इस महापर्व का उत्तम अनुभव एनआरआई (अनिवासी भारतीय) श्रद्धालुओं तथा विदेशी पर्यटकों को मिल सके इसकी भी उत्तम व्यवस्था डबल इंजन सरकार द्वारा की गई है। ट्रैवलिंग, कनेक्टिविटी, अकॉमोडेशन, फूडिंग-लॉजिंग समेत विभिन्न मानकों को लेकर वैश्विक प्रतिमान के अनुरूप व्यवस्था की जा रही है। मल्टी लैंग्वेज एसिस्टेंस, चैटबॉट, डेडिकेटेड काउंटर्स समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का भी लाभ मिलेगा। यही नहीं, डिजिटल महाकुम्भ में वर्चुअल रिएलिटी के जरिए समुद्र मंथन समेत कुम्भ के विभिन्न पहलुओं का साक्षात्कार भी संभव हो सकेगा। यह आयोजन भारत की अतिथि-सत्कार परंपरा व सांस्कृतिक धरोहर के भव्य प्रदर्शन का माध्यम बनेगा।

विशेष एनआरआई व विदेशी पर्यटक केंद्र

-एनआरआई और विदेशी नागरिकों के लिए विशेष स्वागत केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

-इन केंद्रों पर बहुभाषीय सहायता, यात्रा गाइड, और स्थानीय जानकारी प्रदान की जाएगी।

ऑनलाइन बुकिंग व पंजीकरण

-विदेशी पर्यटकों और एनआरआई के लिए विशेष वेबसाइट व मोबाइल ऐप के माध्यम से आवास, तीर्थयात्रा पैकेज और अन्य सेवाओं की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा।

विशेष आवास सुविधाएं

-एनआरआई और विदेशी पर्यटकों के लिए उच्च स्तरीय टेंट सिटी और रिसॉर्ट्स बनाए गए हैं।

-इनमें वातानुकूलित टेंट, आधुनिक सुविधाएं, और व्यक्तिगत सुरक्षा के इंतजाम होंगे।

एयरपोर्ट व परिवहन सुविधा होगी उच्च स्तरीय

प्रयागराज से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए योगी सरकार ने 2 वर्ष पूर्व ही यहां एयरपोर्ट की शुरूआत कर दी थी।

महाकुम्भ के दौरान विभिन्न शहरों से प्रयागराज के लिए उड़ान सेवा उपलब्ध होगी।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग की भी सुविधा प्रदान की जा रही है।

-प्रयागराज और उसके आसपास के क्षेत्रों से हवाई अड्डों के लिए शटल बस और हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

-एनआरआई और विदेशी पर्यटकों के लिए समर्पित परिवहन सेवा (लक्जरी बसें, टैक्सी) भी उपलब्ध होंगी।

महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए शक्तिशाली एंटी ड्रोन तैनात

महाकुम्भनगर, 14 दिसम्बर : महाकुम्भ को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में 45 करोड़ लोगों की देखरेख का सुरक्षित प्लान तैयार कर लिया गया है। महाकुम्भनगर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए शक्तिशाली एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात कर दिया गया है। साथ ही, बिना अनुमति उड़ाए जाने वाले ड्रोन को लेकर बेहद सख्त कार्यवाही शुरू कर दी गई है। महाकुम्भनगर में दो ड्रोन को हवा में फरार्टा भरते दबोचा गया है। आगे सतर्कता का पूरा ध्यान रखने के साथ ही उन्हें नोटिस भी जारी कर दिया गया है।

2 ड्रोन किए डिएक्टिवेट

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर महाकुम्भनगर की पुलिस बेहद चौकन्नी है। महाकुम्भनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। पहले दिन ही काम करते हुए बेहद हाईटेक एंटी ड्रोन ने बिना अनुमति हवा में फरार्टा भर रहे दो ड्रोन को मारकर डिएक्टिव कर दिया है। इसके संचालकों को बाकायदा नोटिस भी जारी किया गया है।

होगी सख्त कार्रवाई

उन्होंने कहा कि बिना अनुमति महाकुम्भनगर मेला क्षेत्र में किसी भी कीमत पर ड्रोन उड़ाए नहीं जा सकेंगे। इसके लिए बाकायदा पहले से पुलिस से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद ही ड्रोन हवा में उड़ान भर सकेंगे। बिना अनुमति ड्रोन संचालित करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विशेषज्ञ 24 घंटे अलर्ट मोड पर

महाकुम्भनगर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बेहद शक्तिशाली एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात कर दिया गया है। इसके लिए अनुभवी विशेषज्ञों को यहां महाकुम्भनगर में बुलाया गया है। आते ही एक्सपर्ट अपनी पोजिशन ले चुके हैं। वे एक जगह तैनात रहकर मेला क्षेत्र में उड़ने वाले सभी ड्रोन पर नजर रख रहे हैं। इन्हें 24 घंटे अलर्ट रखा गया है। साथ ही शंका होने पर ये हवा में ही किसी भी ड्रोन को निष्क्रिय करने में सक्षम हैं।

अंबाला

क्रिसमस के कार्यक्रमों की शृंखला में स्टाफ एवं डॉक्टर्स के क्रिकेट मैच करवाया

मैच के दौरान डॉक्टर सादिक टीम को निर्देश देते हुए।

अंबाला शहर, दिसम्बर : फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल शहर में क्रिसमस के विभिन्न कार्यक्रमों की शृंखला में स्टाफ एवं डॉक्टर्स के क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। 2 टीमें एक डॉक्टर सुनील सादिक एवं दूसरी डॉ नलिनी कुनर के नेतृत्व में बनाई गई। बेहद रोमांचकारी मुकाबले में पहले खेलते हुए डॉ सुनील सादिक की टीम ए के खिलाडियों परवीन कुमार, देवाशीष, अमित लॉरेंस, विकास,डॉ पराग, डॉ ईशान, डॉ एस एम् शर्मा,डॉ. चानन, रजत एवं अमित कपूर की विस्फोटक बल्लेबाजी से 133 रन बनाए, किन्तु विपरीत टीम बी के खिलाड़ी डॉक्टर पराग, डॉ. ईशान एवं परवीन कुमार की घातक गेंदबाजी के आगे अपने पांव नहीं जमा पाई और परिणामस्वरूप पूरी बैटिंग लाइन 20 रनो पर ढेर हो गई। टीम ए के कप्तान डॉ सुनील सादिक ने अपने खिलाड़ियों के खेल की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं बताया की हस्पताल में इस प्रकार के खेलो के आयोजन करता रहता है और क्रिसमस के पावन मौके पर सभी के साथ मेलजोल के साथ आपसी सौहार्द का वातावरण कार्य करने में प्रवीणता देता है ' कार्यक्रम की एंकरिंग प्रशासनिक अधिकारी अमित कपूर ने की एवं पूरे मैच के दौरान समां बांधे रखा।

समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र में आय ज्यादा दिखाने की समस्याएं ज्यादा सामने आई

नारायणगढ़ में समस्याए सुनते एसडीएम शाश्वत सांगवान।

नारायणगढ़, दिसम्बर : समाधान शिविर मेंएसडीएम शाश्वत सांगवान के आगे 18 समस्याएं आई। सब से ज्यादा लोग परिवार पहचान पत्र में आय ज्यादा दिखा कर की समस्याओ से जुझ रहे हैं लेकिन समाधान न होने पर परेशान है। इसपर एसडीएम ने कहा कि आने वाली समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और अधिकारी एवं कर्मचारी इस बात को सदैव ध्यान में रखे।उन्होंने कहा कि अधिकारी, कर्मचारी समस्याओं का समाधान करने के साथ साथ लोगों को अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी दें। जिससे कि पात्र लोग योजनाओं का लाभ उठा सकें।

समाधान शिविर में आई समस्याए में वार्ड नंबर 6 के लक्ष्मण दास ने अपनी बेटी स्नेहा जोकि 12 वीं कक्षा में पढ़ती है उसके लिए ट्राई साइकिल की मांग की, मुगल माजरा के बलदेव सिंह, वार्ड 8 के रामकुमार ने विधुर पैंशन लगवाने का अनुरोध किया। इस के आलावा परिर पहचान पत्र में आय ज्यादा दिखाने के परेशान लोग भुरेवाला के रामकुमार, वार्ड 8 के कृष्ण कुमार, वार्ड 9 के गुरदीप, वार्ड 4 के आकाश, वार्ड 3 के इन्दु जस्सी, लाहा के दर्शन लाल है और फतेहपुर 126 के राम सिंह ने फैमिली आईडी में जाति सम्बंधित त्रुटि ठीक करवाने की समस्या रखी।

नारायणगढ़ के राकेश कुमारए वार्ड 7 के दयाराम, रातौर के सुरेन्द्र कुमार ने बीपीएल कार्ड बनवाने की मांग रखी। विगत दिवस लगे समाधान शिविर में वार्ड 8 की सुमन शर्मा ने बीपीएल कार्ड बनवाने की मांग रखी थीए आज उन्होंने समाधान शिविर में दोबारा यह समस्या रखी तो चैक करने पर उसका बीपीएल कार्ड बना हुआ पाया, जिस पर लाभार्थी सुमन शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा प्रशासन का धन्यवाद किया।

अंबाला जिला के 6 स्कूलों का जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने किया निरीक्षण

शिक्षण संस्थानों की व्यवस्थाओं को जांचा स्कूल प्रतिनिधियों को दिए जरूरी दिशा निर्देश

अंबाला शहर, दिसंबर

अंबाला जिला में शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने कई स्कूलों का मुआयना कर शिक्षण संस्थानों की व्यवस्था की जांच करते हुए शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश जारी किए। बता दें कि मिड डे मील, किचन गार्डन, निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत बच्चों को दी जा रही है गुणवत्तापरक शिक्षा और उपायुक्त अंबाला के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ज्ञान दान की प्रगति का मुआयना करने के लिए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय शकरपुरा, राजकीय प्राथमिक पाठशाला शकरपुरा, राजकीय माध्यमिक विद्यालय लालपुर, राजकीय प्राथमिक पाठशाला लालपुर, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्योली एवं राजकीय प्राथमिक पाठशाला ज्योली का निरीक्षण किया। इस दौरान राजकीय प्राथमिक पाठशाला शकरपुरा में अधिकारी ने निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत बच्चों को शिक्षा का स्तर उनके माता-पिता के सामने ही जांचा जिस पर न केवल बच्चों के माता-पिता ने बल्कि अधिकारी ने भी संतोष व्यक्त किया। राजकीय माध्यमिक विद्यालय शकरपुरा में उन्होंने अध्यापकों एवं ग्राम वासियों के सहयोग से विद्यालय में नवनिर्मित लाइब्रेरी का उद्घाटन किया और बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हीं पुस्तकों को अपना सबसे अच्छा मित्र मानते हुए उनसे जुड? की प्रेरणा दी। इस विद्यालय में निरीक्षण के दौरान जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विद्यालय में लगभग एक हजार गज में बने किचन गार्डन व विभिन्न प्रकार के फूलों की क्यारियां देखकर बहुत प्रसन्न हुए।

अंबाला जिला के विभिन्न स्कूलों में पहुंचे शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा स्कूली बच्चों से बातचीत करते हुए।

स्कूलों में निरीक्षण करने पहुंचे शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा स्कूली बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर मिड-डे-मील का स्वाद चखते हुए।

शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर मिड डे मील का चखा स्वाद : जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने विद्यालय में पहुंचे ग्राम पंचायत एवं एमसी के सदस्यों के साथ संवाद किया और उन्हें विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया तथा विद्यालयों को और अधिक बेहतर बनाने के लिए उन सबके सुझाव लिए। बच्चों को मिड डे मील बांटे जाने के दौरान जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर मिड डे मील चखा और मिड डे मील की गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त की। मिड डे मील के दौरान बच्चों ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को बताया कि उनके विद्यालय में पंजाबी अध्यापक जसमेर सिंह पिछले लगभग एक वर्ष से सेवानिवृत्ति के पश्चात भी अपनी निशुल्क शिक्षण सेवाएं दे रहे हैं। जिस पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने मौके पर ही निःस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए जसमेर सिंह को तथा विद्यालय में किचन गार्डन, पुस्तकालय एवं बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए विद्यालय मुखिया बाबू राम, विज्ञान अध्यापक विनोद सैनी और बहुउद्देशीय कर्मी सुरेंद्र कुमार को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। अधिकारी द्वारा विद्यालय में पौधारोपण भी किया गया।

शिक्षा क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षक को प्रशंसा पत्र से सम्मानित करते जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा।

लालपुर विद्यालय में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने किया पौधारोपण : राजकीय माध्यमिक विद्यालय लालपुर और राजकीय प्राथमिक पाठशाला लालपुर के प्रांगण में भी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने पौधारोपण किया और बच्चों की शिक्षा का स्तर जांचा। इन विद्यालयों में भी सुंदर एवं विकसित किचन गार्डन को देखकर कालड़ा बहुत प्रसन्न हुए। यहां पर विद्यालय मुखिया अनिल कुमार ने अधिकारी को बताया कि इस विद्यालय में किचन गार्डन का सारा कार्य विद्यालय की चारों मिड डे मील कुक्स करती हैं। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के बच्चे एन.एम.एम.एस. की तैयारी करते मिले। इस बारे विद्यालय रिकॉर्ड की जांच में पाया गया कि पिछले वर्ष भी विद्यालय की आठवीं कक्षा के चार छात्र एन.एम.एम.एस. की परीक्षा में उत्तीर्ण रहे थे। यहां भी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने किचन गार्डन विकसित करने के लिए विद्यालय की चारों कुक्स तथा गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए स्कूल मुखिया अनिल कुमार और विज्ञान अध्यापक संदीप कुमार को मौके पर ही प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

ज्योली विद्यालय में शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने आदर्श किचन गार्डन विकसित करने के लिए किया प्रेरित : पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्योली में शिक्षा अधिकारी कालड़ा ने फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी की नवनिर्मित प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के एक्टिविटी रूम के लिए विभाग द्वारा जारी अनुदान राशि की उपयोगिता की प्रगति रिपोर्ट को भी देखा। इस विद्यालय में उन्होंने उपायुक्त अंबाला के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ज्ञान दान के अंतर्गत भी बच्चों से संवाद किया और उन्हें जीवन के लिए बड़ा लक्ष्य स्थापित करने की प्रेरणा दी। इसी गांव के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में उन्होंने निपुण हरियाणा कार्यक्रम के अंतर्गत पहली कक्षा के बच्चों की शिक्षा के स्तर को निपुण मॉनिटरिंग एप के जरिए जांचा और संतोष व्यक्त किया।

मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल में भाषा उत्सव

विजेता छात्रों के साथ प्रधानाचार्य डॉ आर आर सूरी।

अंबाला शहर, दिसंबर : मुरलीधर विद्यालय में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित भाषा उत्सव 4 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक मनाया गया। भाषाओं के माध्यम से एकता के अन्तर्गत विभिन्न भाषाओं में प्रतियोगिता करवाई गई। जिसके अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा में तकनीकी शिक्षा द्वारा कहानी सुनाना प्रतियोगिता, हिन्दी भाषा मे आशुभाषण प्रतियोगिता तथा पंजाबी भाषा मे कविता प्रतियोगिता आयोजन किया गया। विजयी छात्रों को प्रधानाचार्य डॉ आर आर सूरी द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य ने सभी छात्रों को अपनी भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि छात्रों के सवार्गीण विकास के लिए मातृभाषा अत्यंत आवश्यक है क्योंकि छात्र अपने भावों की अभिव्यक्ति मातृभाषा में ही कर सकते है। इसलिए सभी छात्रों को अपनी मातृभाषा को सम्मान देना चाहिए।

जीएमएन कॉलेज में फिट इंडिया सप्ताह के तहत एक उद्यमिता निर्माण गतिविधि

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते योग प्रशिक्षक पवन शर्मा।

अम्बाला छावनी, दिसंबर : जीएमएन कॉलेज, अंबाला छावनी के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त के मार्गदर्शन में प्रबंधन विभाग के सहयोग से कॉलेज में इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल (आईडीसी) द्वारा फिट इंडिया सप्ताह 2024 के तहत एक उद्यमिता निर्माण गतिविधि का आयोजन किया। इस गतिविधि की शुरूआत आईडीसी संयोजक प्रो नीलम के स्वागत भाषण के साथ हुई, जहां उन्होंने योग संस्थान, अंबाला छावनी में योग प्रशिक्षक पवन शर्मा का स्वागत किया और छात्रों को पारंपरिक प्रथाओं जैसे ऐप्स के विकास, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और वर्चुअल योग सत्र के साथ प्रौद्योगिकी के संयोजन के बारे में रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया। एक निर्देशित योग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सांस लेने के व्यायाम (प्राणायाम), बुनियादी आसन और ध्यान तकनीकों पर जोर दिया गया। छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और लचीलापन, शक्ति और मानसिक स्पष्टता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया। सत्र का उद्देश्य छात्रों को यह दिखाना था कि कैसे इन प्रथाओं को बेहतर शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए उनके दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। बाद में गतिविधि समन्वयक डॉ. रवनीत कौर ने इस बारे में जानकारी दी कि छात्र कैसे अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य प्रथाओं को एकीकृत कर सकते हैं और उन्हें स्थायी व्यवसाय मॉडल में बदल सकते हैं और छात्रों को कल्याण और फिटनेस क्षेत्रों में उद्यमिता की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। कार्यक्रम में लगभग 90 छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. अमीता सहित शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक विभाग के सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता शिक्षकों के लिए अनिवार्य, शिक्षा के लिए शिक्षक सक्रिय भूमिका का करें निर्वहन : सतबीर सिंह

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारी सतबीर सिंह व अन्य शिक्षक

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला शहर के बलदेव नगर स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में चल रहे 5 दिवसीय बाल वाटिका प्रशिक्षण के समानांतर कार्यक्रम में तीसरे व चौथे बैच का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी सतबीर सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन में विधिवत प्रभु वंदना प्रस्तुत करके किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से बाल वाटिका स्तर पर सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया को गुणात्मक रूप देने की दिशा में अध्यापकों को प्रशिक्षित करने की पहल की गई। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी सतबीर सिंह ने इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता को शिक्षकों के लिए अनिवार्य बताते हुए उनके शिक्षण कार्यों की सराहना की, वहीं कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने भी सुझाई गई रणनीतियों, गतिविधियों के आधार पर अपना शत प्रतिशत बच्चों को देने के लिए आश्वस्त किया। मास्टर ट्रेनर के रूप में मिस अंकिता, मिस परमजीत, मिस्टर प्रसिद्ध पाल, मिस्टर अजय एआरसी ने अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया। इस प्रकार दोनों बैचेज का दिन संपूर्ण विद्यालय प्रशासन के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस मौके पर भारी संख्या में स्कूल के शिक्षक उपस्थित रहे।

14 लाख रुपए लेने के बावजूद नहीं करवाई रजिस्ट्री, धोखाधड़ी का केस दर्ज

अंबाला शहर, दिसंबर : शहर के जट्टां वाली गली निवासी सैयद अहमद खान की शिकायत पर पुलिस ने जग्गी कॉलोनी निवासी अमित कुमार पुत्र सुरजीत कुमार के खिलाफ 14 लाख रुपये लेने के बावजूद रजिस्ट्री न करवाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार पीडित, आरोपी अमित कुमार को पिछले कई वर्षों से जानता है। एफआईआर के अनुसार अमित कुमार ने जुलाई 2017 में पीड़ित से अपनी संपत्ति बेचने के लिए संपर्क किया, जोकि स्पाट रोड अंबाला सिटी में है तथा जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है, जिसका कवर्ड एरिया 1178 वर्ग फीट है। उसने बताया कि इस संपत्ति पर किसी भी बैंक, वित्तीय संस्थान से कोई ऋण नहीं है। पीड़ित ने यह संपत्ति 14,00,000/- रुपये में खरीदने के लिए सहमति व्यक्त की। एफआईआर के अनुसार दिनांक 20.11.2017 को अमित कुमार ने गवाहों की उपस्थिति में 14,00,000/- रुपये में अपनी उपरोक्त संपत्ति को बेचने बारे एक समझौता किया। उक्त अनुबंध का मसौदा धर्मपाल डीड लेखक द्वारा तैयार किया गया था। अमित कुमार और उसके सामने उक्त अनुबंध की सामग्री को पढ़ा। अमित कुमार और सम्पत्ति क्रेता से दिनांक 20.11.2017 को बिक्री के समझौते की सामग्री को स्वीकार किया। उसके बाद आरोपी अमित कुमार और सम्पत्ति क्रेता ने गवाहों की मौजूदगी में बिक्री के समझौते को लागू करने के समय, अमित कुमार ने 7,00,000/- बयाना राशि प्राप्त चेक के माध्यम से प्राप्त की। आरोपी अमित कुमार और सैयद अहमद खान द्वारा आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया था कि उप रजिस्ट्रार अंबाला के कार्यालय में शेष राशि रजिस्ट्री के समय अदा कर देगा। सैयद अहमद खान के अनुसार जरूरत का बहाना लगाकर दिनांक 18.04.2018 को अमित कुमार ने उससे 6,00,000/- रुपये की राशि का भुगतान करने का अनुरोध किया जिसके बाद पीड़ित दो चैकों के माध्यम से यह राशि उसे दे दी और इस तरह अमित कुमार को 14 लाख में से 13 लाख रुपए मिल गए। दिनांक 20.04.2018 को उसने अमित कुमार से बकाया एक लाख लेकर रजिस्ट्री करवाने करने का अनुरोध किया। एफआईआर के अनुसार आरोपी अमित कुमार ने पीडित को रजिस्टरी करवाने के लिए तहसील कार्यालय बुलवाया लेकिन स्वयं नहीं पहुंचा। जब पीडित ने अमित के इस कृत्य और आचरण का विरोध किया तो अमित ने उसके पक्ष में रजिस्टरी

किसानों ने फिर किया ऐलान, आज 101 किसानों का जत्था दिल्ली कूच के लिए करेगा संघर्ष : सरवन पंधेर

अंबाला-राजपुरा मार्ग स्थित शंभु बॉर्डर पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते किसान नेता सरवन सिंह पंधेर व अन्य।

अंबाला शहर, दिसंबर : दिल्ली कूच के लिए शंभू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसान संगठनों ने एक पत्रकार वार्ता कर 14 दिसंबर को फिर तीसरी बार दिल्ली कूच करने का ऐलान किया। इस मौके पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने संबोधित करते हुए कहा कि शनिवार दोपहर 12 बजे 101 किसानों का जत्था दिल्ली कूच करेगा। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि किसानों ने जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत पर चिंता जताई है और डीसी अंबाला द्वारा व डीसी संगरूर को पत्र लिखने पर षड्यंत्र की आशंका भी जताई। किसानों ने सरकार द्वारा वार्ता न करने का मुद्दा भी उठाया, जहां उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार किसानों को मजबूर करने का कार्य कर रही है, किसान शांतिपूर्वक दिल्ली कूच करना चाहते हैं, मगर सरकारी तंत्र उन्हें दिल्ली कूच करने से रोक रहा है। वहीं उन्होंने सांसद रामचन्द्र जांगड़ा के ब्यान पर भी निंदा प्रकट की, किसानों ने कहा यह मुद्दा इतनी देरी से क्यों उठाया गया। किसान दिल्ली कूच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और वह शनिवार को दिल्ली कूच का संघर्ष दोबारा से करेगें।

मीडि.I से बातचीत करते अंबाला एसपी सुरेन्द्र सिंह भोरिया। (सवेरा)

दिल्ली कूच को लेकर एसपी अंबाला ने किया रूख साफ, बिना अनुमति के किसानों को नहीं जाने दिया जाएगा : सुरेन्द्र सिंह भोरिया

किसानों द्वारा दिल्ली कूच के ऐलान के बाद अंबाला एसपी सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि किसानों से बार-बार यही अपील की जा रही है कि वह दिल्ली कूच के लिए विधिवत अनुमति लेकर आए, तो उन्हें दिल्ली जाने से कोई नहीं रोकेगा, लेकिन यदि किसान कानूनी प्रक्रिया को अपने हाथों में लेन चाहते हैं, तो इसकी इजाजत बिल्कुल भी नहीं दी जाएगी। पिछले दिनों भी किसान भाईयों का पुलिस प्रशासन द्वारा फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया था, मगर कुछ किसानों ने पुलिस मोर्चा को तोड? का प्रयास किया था। जो सही नहीं था, इस बार भी पुलिस की और से किसानों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी,

अंबाला जिला कोर्ट को मिली नए मुख्य द्वार की सौगात

10 लाख की लागत से बने मुख्य द्वार का पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने किया उद्घाटन

अंबाला शहर, दिसंबर : शहर कोर्ट कॉम्प्लेक्स के नवनिर्मित मुख्य द्वार का शुक्रवार को हरियाणा के पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने उद्घाटन किया। दरअसल अंबाला कोर्ट कॉम्प्लेक्स में मुख्य द्वार के निर्माण की मांग लंबे समय से लंबित थी। जिसे पूर्ण करते हुए शुक्रवार को मुख्य द्वार का उद्घाटन किया गया। बता दें कि पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने महिला अधिवक्ता के हाथों मुख्य द्वार का उद्घाटन करवाया। इस दौरान अम्बाला जिला बार संघ के प्रधान व अधिवक्ता गण भी मौके पर मौजूद रहे। मुख्य द्वार के उद्घाटन पश्चात जिला बार संघ कार्यालय पहुंचे पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल का बार एसोसिएशन ने स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। कोर्ट कॉम्प्लेक्स के मुख्य द्वार की सौगात के साथ साथ पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने चुनावों से पूर्व की गई घोषणा को पूरा करते हुए 11 लाख रुपये का चैक भी जिला बार संघ को भेंट किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अम्बाला कोर्ट का इतिहास बेहद पुराना है और देश की प्राचीन अदालतों में अम्बाला कोर्ट का नाम शामिल है। उसी कोर्ट में इस गेट की मांग बड़े लंबे अरसे से चली आ रही थी। इसके साथ ही गेट के मार्ग में लगने वाली टाइलों के लिए भी लगभग 5 लाख रुपये की लागत का टेंडर पास कर दिया गया है।

कोर्ट परिसर के मुख्य द्वार उद्घाटन करते पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल व मौजूद अधिवक्ता

पूरे विश्व में बज रहा भारत का डंका,विपक्ष को हजम नहीं हो रहा : असीम गोयल

देश में इन दिनों वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर हंगामा कर रहे विपक्ष पर भी पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने हल्ला बोला। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष नहीं बल्कि भानुमति का कुनबा है। असीम गोयल ने कहा कि आज अपने स्वार्थों के लिए विपक्ष इक्कठा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है, यह विपक्ष को हजम नहीं हो रहा।

नागरिक अस्पताल में चलाया स्वच्छता अभियान

आउटर एरिया समेत बाहर की ग्रीन बेल्ट को किया खासतोर पर साफ

अम्बाला छावनी, दिसंबर : अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल में पीएमओ डॉक्टर रेणु बेरी पजनी की देख-रेख में एक स्वच्छता अभियान गया।

इसमे अस्पताल के आउटर एरिया समेत बाहर की ग्रीन बेल्ट को खासतोर पर साफ किया गया। इस अभियान में अस्पताल के कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया और अस्पताल को पूरी तरह स्वच्छ रखने का कार्य किया। पीएमओ डॉक्टर रेणु बेरी पजनी ने बताया कि नागरिक अस्पताल अंबाला व आस-पास के जिलो से आने वाली जनता के लिए किसी वरदान से कम नही है यहा पर प्रत्येक दिन हजारो की संख्या में मरीज अपना बेहतर इलाज करवाने के लिए आते है और सरकार के द्वारा दी जा रही सेवाओ का लाभ उठाते है।

इसी कड़ी में यह स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सफाई कर्मचारियो की टीमे बनाई गई है जो सुपरवाईजर की निगरानी में सारा कार्य कर रहे है। उन्होने बताया कि अस्पताल के बाहर ग्रीन बेल्ट एरिया को भी साफ करवाया गया है इसी के साथ साथ अस्पताल में कई जगहो को भी चिन्हित किया गया है जहा पर पेड़ पोधे भी जल्द ही लगाए जाएगे ताकि अस्पताल ओर ज्यादा सुंदर दिए। डॉक्टर बेरी पजनी ने बताया कि यह अभियान आगे भी इसी तरह समय समय पर अस्पताल की साफ सफाई के लिए चलाया जाता रहेगा।

सफाई अभियान के दौरान अस्पताल के बहार सफाई करते सफाई कर्मी।

एसडीएम शाश्वत सांगवान ने झाड़ू लगाकर श्रम दान कर दिया स्वच्छता का संदेश

हुड्डा में एसडीएम शाश्वत सांगवान नारायणगढ़ में विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश देते हुए।

नारायणगढ़, दिसम्बर : स्वच्छ हरियाणा स्वच्छ नारायणगढ़ के अंतरगत शुक्रवार को एसडीएम शाश्वत सांगवान की अध्यक्षता में नगरपालिका के कर्मचारी सहित लोगो ने झाड़ू लगाकर साफ सफाई की। एसडीएम शाश्वत सांगवान ने कहा कि जब हमारा वातावरण स्वच्छ होगा तो हम रोगों से भी दूर रहेंगे। एसडीएम शुक्रवार की सुबह हुड्डा सेक्टर में विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरूक कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सेक्टर वासियों के साथ झाड़ू लगाकर श्रम दान किया ओर स्वच्छता का संदेश दिया। इस स्वच्छता अभियान में नगरपालिका के सफाई कर्मियों ने भी भाग लिया। एसडीएम ने कहा कि नारायणगढ़ में पिछले कुछ दिनों से शुक्रवार के दिन विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

जलकुंभी और केले के पत्ते से बने हस्तकरगा सीएम को करेगा आकर्षित।

>> जलकुंभी से बने उपकरण मुख्यमंत्री को भेंट किया जायेगा।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिला संवाद के संभावित यात्रा की शुरूआत वाल्मीकि की तपों भूमि,लव कुश की जन्मस्थली वाल्मीकिनगर के घोटवा टोला से होना है।जिसे लेकर जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के दिशानिर्देश पर जिला प्रशासन सहित प्रखंड के अधिकारी घोटवा टोला की सूरत को बदलने में दिन रात एक कर युद्ध स्तर पर कार्य को निष्पादन में लगे हैं। गांव की कायापलट हो रही है।इसी क्रम में जीविका दीदियों के द्वारा थारू और आदिवासी जनजाति के महिलाओं द्वारा बेकार समझे जाने वाले जलकुंभी और केले के पत्ते को हथियार बनाते हुए हाथ से निर्मित कई उपकरण जैसे टोकडी ,डलिया,पैर रखने वाले पैड,बैग, पर्स के अलावा खजूर के पत्ता और जंगली पौधे से बना झाड़ू,के अलावा मूंज के सिक्की मौनी,विभिन्न प्रकार के झाड़ू,साबुन,शहद सहित अन्य प्रकार के स्टॉल को लगाने की तैयारी जोरो पर है।जिसे ले कर जीविका के अधिकारियों के देख रेख में जीविका दीदियों द्वारा सिक्की मौनी,बांस,खजूर सहित कई प्रकार के जंगली झाड़ियों से झाड़ू का निर्माण,साबुन,और मधुमक्खी के शहद की पैकिंग की तैयारी की जा रही है। इस बाबत जानकारी देते हुए जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक रितेश कुमार मिश्रा ने बताया बिहार सरकार के द्वारा संचालित जीविका द्वारा गरीब महिला के उत्थान के लिए कार्य किया जा रहा है।इसी दौरान सूबे के मुख्यमंत्री के संभावित आगवन को ले कर जीविका दीदियों द्वारा निर्मित हस्तकरगा का स्टॉल लगाया जाएगा। जो कि एक आकर्षण का केंद्र होगा। जलकुंभी और केले के पत्ते से बने समान होंगे आकर्षण का केंद्र गांव की जीविका महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री के आगमन पर जलकुंभी और हाथ से बने टोकरी ,बैग, पर्स के अलावा सिक्की मउनी का उपहार महिलाओं द्वारा भेंट की जा सकती है। इस मौके पर जीवकोपार्जन विशेषज्ञ सचिंद्र कुमार, एसी अविनाश कुमार, बीआरपी शुभम कुमार, लेखापाल मुन्नी कुमारी, सामुदायिक समन्वयक नितेश कुमार, रवि कुमार सहित दर्जनों जीविका दीदियां मौजूद रही।

न्याय के लिए दर दर भटक रहे हैं कोटि 205 के मदरसा टीचर

मदरसा के टीचरों का 12 महिना से नहीं मिल रहा है वेतन, फिर भी शिक्षा जारी है।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। कोटि 205 मदरसे के शिक्षकों का 12 माह से वेतन नहीं मिला। बावजूद मदरसे के बच्चों के पठन-पाठन तथा देखरेख में शिक्षकों ने नहीं किया कोई कमी। ज्ञात हो कि कोटि 205 मदरसे के शिक्षकों का वेतन 12 माह से अधर में लटका हुआ है। जिसको लेकर मदरसे के शिक्षकों ने एमएलसी अशफाक अहमद, सौरभ कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा अन्य कई सरकारी महकमों में अपने वेतन भुगतान तथा अन्य मांगों को लेकर गुहार लगा चुके हैं। लेकिन कहीं से भी इनको नहीं मिली राहत। आज भी अपने मांगों को लेकर मदरसे की शिक्षक इधर-उधर भटक रहे हैं। वेतन नहीं मिलने के कारण इनकी आर्थिक स्थिति डामाडोल हो चुकी है। भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं ये शिक्षक। लेकिन अभी तक इन्होंने अपना धैर्य नहीं खाया है। और बैठक पर बैठक कर रण नीति बनाने में लगे हुए हैं। ताकि कहीं ना कहीं उनकी सुनवाई अवश्य होगी। इसको लेकर मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक निजी आवास पर शनिवार के दिन बैठक किया गया इस बैठक में मदरसे के लगभग 30 से 35 शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शिक्षकों ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथियों से भी गुहार लगाया है कि उनकी जायज मांगों को वह अपने स्तर से शासन प्रशासन तक पहुंचावें ताकि इनकी समस्याओं का समाधान हो सके। वहीं मौजूद शिक्षकों ने सर्वसम्मति से यह विचार बनाया कि आगामी 22 तारीख को होने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दौरा चंपारण में होना है। इस दौरान मदरसे के शिक्षकों का एक शिष्टमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बातों को रखेंगे। तथा लिखित रूप में इनके साथ हो रही समस्याओं का विज्ञापन भी सौंपेंगे।

सरस मेला की शाम, स्वच्छ पटना के नाम

संवाददाता

पटना। 15 दिसम्बर 24 सरस मेला के सांस्कृतिक मंच पर पटना नगर निगम द्वारा सरस मेला की एक शाम, स्वच्छता गीतों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू,उप महापौर रेशमी चंद्रवंशी,पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पाराशर, वरिष्ठ लेखिका और समाज सेविका ममता मेहरोत्रा,अंतरराष्ट्रीय स्तर के हास्य कवि शंभू शिखर और इंदिरा आईवीएफ के संचालक दया निधि शर्मा द्वारा किया गया।जन समुदाय को संबोधित करते हुए पटना नगर निगम की मेयर सीता साहू ने कहा कि पटना को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी हम सब की है। पटना नगर निगम द्वारा पटना को स्वच्छ बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं,लेकिन शहर वासियों के समर्थन के बिना हम बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते।पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता अभियान की ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने इस अवसर पर गीतों के माध्यम से स्वच्छता का अलख जगाया।उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर हाथ लगाएंगे पटना को स्वच्छ बनाएंगे,चला भैया चला भैया पटना के चमकावे, गांधी जी का है यह सपना,स्वच्छ सुंदर हो शहर अपना जैसे अनेक गीत गाकर लोगों को स्वच्छ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उन्होंने बिहार के कुछ दूसरे पारंपरिक लोकगीत भी गाए। श्रोताओं ने कहें तोसे सजना यही ठईयां टिकुली हेरा गईले, जगदंबा घर में दियरा, पनिया के जहाज से जैसे गीतों को खूब पसंद किया।

पत्रकारों का शीर्ष संगठन भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार

संघ के द्वारा कम्बल वितरण हुआ

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पटना। ठंड के मौसम में गरीब और असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए पत्रकारों का शीर्ष संगठन भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के द्वारा 14 दिसंबर को पश्चिम चंपारण में व आस-पास से आये जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कम्बल वितरण किया गया। गरीब और सहायक लोगों के बीच कंबल का वितरण बहुत ही जरूरी है। भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के सदस्यों के नेतृत्व में 151 लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव डॉ अमानुल हक ने बताया कि गरीब और आसहाय लोग सर्दी के प्रकोप से परेशान है। इसको देखते हुए ऐसे व्यक्तियों के बीच कंबल का वितरण किया गया। दिससे उनको सर्दी से राह मिलेगी।

अधीक्षण अभियंता विद्युत ने योजना के प्रचार प्रसार का निरीक्षण कर देखी हकीकत

ग्राम 352 बकाया उपभोक्ताओं की सूची प्रधान को सौंपकर दी गई एक मुश्त समाधान योजना की जानकारी

■ महोबा

विद्युत विभाग द्वारा जिले में चलाए जा रहे चलाए जा रहे एकमुश्त समाधान योजना के प्रचार प्रसार अभियान की जमीनी हकीकत देखने के लिए विद्युत वितरण मंडल महोबा के अधीक्षण अभियंता ने शुक्रवार को तहसील कुलपहाड़ के ग्राम लाड़पुर में अवर अभियंता द्वारा चलाए जा रहे अभियान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान ग्राम प्रधान को एक मुश्त समाधान योजना की जानकारी और ओटीएस योजना के लिए ग्राम के 352 बकाया बिजली उपभोक्ताओं की सूची प्रदान की गई।

ग्राम लाड़पुर में अवर अभियंता जयवीर सिंह द्वारा चलाए जा रहेएक मुश्त समाधान योजना के प्रचार प्रसार अभियान का अधीक्षण अभियंता आरएस गौतम ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान योजना का प्रचार प्रसार सही तरीके से पाया गया साथ ही उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ उठाए जाने के लिए जागरूक भी किया गया। अधीक्षण अभियंता द्वारा ग्राम प्रधान ओमप्रकाश राजपूत को ग्राम के 352 बकाया बिजली उपभोक्ताओं की सूची दी गई और उपभोक्ताओं को प्रेरित करने क लिए अनुरोध किया गया। योजना की जानकारी देते हुए अधीक्षण अभियंता ने बताया कि सरकारद्वारा विद्युत बिल बकाएदारों के लिए एक मुश्त समाधान योजना 15 दिसम्बर से लागू हो रही है और यह योजना जल्दी आए ज्यादा लाभ पाए के सिद्धांत पर आधारित है। बताया कि यह योजना 31 जनपी तक तीन चरणों में लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण 16 दिन तक 15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक चलेगा। दूसरा चरण 1 जनवरी 2025 से 15 जनवरी तक 15 दिन का रहेगा तथा तीसरा और अंतिम चरण 16 जनवरी से 31 जनवरी तक 16 दिन तक चलाया जाएगा। बताया कि इस योजना के अंतर्गत घूरेलू, वाणिज्यिक, निजी संस्थान, औद्योगिक एवं उपरोक्त श्रेणियों के समस्त बकायेदार जिनका संयोजन विच्छेदित है उन्हें योजना से लाभांवित किया जा रहा है। बताया कि समाधान योजना के तहत 31 दिसम्बर तक 5000 रुपये तक बकाए काएकमुश्त भुगतानकरने पर सौ फीसदी और इससे अधिक पर 70 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से अधिक जानकरी विभागीय वेबसाइट पर विजिट कर, 1912 पर कॉल कर या विभागीय कार्यालय से ले सकते हैं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महोबा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम, कस्बा, मौहल्ला, शिक्षण संस्थानों आदि जगहो का भ्रमण, चौपाल लगाकर छात्राओं बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इसी तहत टीम ने जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम किडारी की किशोरियों, महिलाओं को जागरूक करने का काम किया है।जिलाधिकारी के निर्देश और जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार ब्लाक कबरई के ग्राम किडारी में चौपाल लगाकर जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध अभियान चलाया गया।

मांगों को लेकर व्यापार मण्डल पदाधिकारियो ने सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने पालिका अधिशासी अधिकारी को विभिन्न मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा।सौंपे ज्ञापन मे बताया कि महाकुंभ के दौरान आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बस स्टैन्ड के नजदीक एक सूचना/सहायता केंद्र की स्थापना, महाकुंभ के दौरान आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए प्रमुख स्थानों पर बड़े आस्थाई आश्रय गृह बनाने, महाकुंभ प्रारम्भ होने के पूर्व रोड लाइटों क दुरस्तीकरण व खंभों आदि मे झालर आदि मे सजावट करने से शहर की सुंदरता बढ़ाने, ठंड ऋतु का आगमन हो चुका है वर्तमान समय मे सुबह शाम तापमान काफी काम हो जा रहा है नगरपालिका क्षेत्र मे प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था प्रारंभ होनी चाहिए। नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत सभी यूरिनलों/प्रसाधनो मे साफसफाई, उनकी मरम्मत एवं आसपास गंदगी से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ज्ञापन देने मे प्रदीप गुप्ता, राहुल गुप्ता, अंकित पहाड़िया, मोहित जैन, बृजेश रावत, कृष्ण गुप्ता, रमन केसरवानी, शुभांशु केशरवानी, शोभित जैन, रोहित कश्यप मौजूद रहे।

समाजसेवी अजीत सिंह खजुराहो फिल्म फेस्टिवल मे सम्मानित

चित्रकूट। खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कार्यक्रम के उत्तर प्रदेश प्रभारी अजीत सिंह को मैडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें फेस्टिवल के डिजाइनर राहुल रस्तोगी और अभिनेता आरिफशहडोली ने उन्हें 10 वर्षों से लगातार प्रभारी का सफल दायित्व निभाने के लिए सौंपा।खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में लगातार उत्तर प्रदेश प्रभारी के रूप में बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया उनके सफल कार्यकाल को देखते हुए 10 वें फेस्टिवल में उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया अजीत सिंह नें फेस्टिवल के संस्थापक संयोजक राजा बुंदेला के प्रति आभार जताया है। डायरेक्टर राम बुंदेला, अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी, जगमोहन जोशी, मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर के पुजारी विपिन बिहारी, जानकी शरण गुप्ता, धर्मेंद्र ओझा समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद रहे। अजीत सिंह ने बताया कि फेस्टिवल में बड़ी तादाद में बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को मंच मिला जिले के अलावा बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, झांसी और ललितपुर के युवाओं ने यहां अपने हुनर का जलवा दिखाया।

दहेज प्रताड़ना और पत्नी की हत्या में दोषी पति को सात वर्ष की कैद

■ बांदा

- 12 वर्ष पूर्व का मामला, पीड़ित पक्ष को अदालत से मिला न्याय
- अदालत ने पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने और जहरीला पदार्थ खिलाकर मौत के घाट उतार देने के मामले की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम चंद्रपाल द्वितीय की अदालत ने पति को सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया। पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अर्थदंड की अदायगी न करने पर 6 माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी।दोषी का सजायावी वारंट बनाकर जेल भेज दिया गया।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील तिवारी ने बताया कि बिसंडा थाना क्षेत्र के सिकलोढी गांव निवासी राम सजीवन प्रजापति ने सीजेएम के यहा 156-3 सीआरपीसी के अन्तर्गत वाद प्रस्तुत किया कि उसने अपनी लडकी शिवदेवी का शादी 22 जून 1999 में मुन्ना प्रजापति पुत्र मातादीन निवासी बडागांव बिसंडा में की थी।और अपनी हैसियत के मुताबिक दान दहेज देकर अपनी पुत्री को बिदा किया था।कुछ दिनों के बाद लडके के पिता,जेठ,जेठानी 60 हजार रूपयें व एक भैस की मांग कर उसें प्रताडित करते रहे।किन्तु पति मुन्ना के नाजायज संबंध दूसरी लडकी से थें ,इस कारण उसकी पुत्री को मारता,पीटता था।21 जून 2012 को समय 11 बजे दिन मे पति मुन्ना,ससुर मातादीन,चचेरी जेठानी मीरा,चचेरा ससुर लालबुआ व चचेरा देवर बदन ने मिलकर उसकी लडकी को मारा व जबरन सल्फास की गोली खिला दी जिससे वह तडप तडप कर मर गयी।पति मुन्ना ने फोन कर कहा कि तुम्हारी लडकी मर गयी है।मौके पर वह व उसके परिवार के लोग गए तो वह मरी पडी थी।शरीर पर लाठी,डंडों के चोटें थी।उसने थाने मे रिर्पोट करने गया लेकिन दरोगा ने भगा दिया।अदालत के आदेश से 19 जुलाई 2012 को रिर्पोट दर्ज की गयी।विवेचक ने मामले का आरोप पत्र केवल पति मुन्ना के नाम प्रेषित किया।मामले की सुनवाई के दौरान 7 गवाह पेश किए गए।पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों व अधिवक्ताओं की दलीले सुननें के बाद न्यायाधीश ने अपनें 22 प्रष्ठीय फैसले मे पति मुन्ना को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामोदय विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए डबल प्लस ग्रेड प्रदान करने पर चित्रकूट के संत महात्मा प्रफुल्लित

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को नैक द्वारा हाल ही में सर्वोत्तम ए डबल प्लस ग्रेड प्रदान करने पर चित्रकूट के संत महात्मा भी प्रफुल्लित हैं। सती अनुसूया आश्रम में पूज्य महंत श्री चोला बाबा महाराज ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय कैंपस में पधार कर कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा को शुभाशीष प्रदान किया। इस मौके पर संतश्री ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना से जुड़े संस्मरणों और भारत रत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख के योगदान को याद किया। संतश्री ने कहा कि नाना जी देशमुख की संकल्पना और कार्यशैली के अनुरूप ग्रामोदय विश्वविद्यालय लक्ष्य को प्राप्त करेगा। प्रो मिश्रा ने संतश्री के ग्रामोदय कैंपस आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत और शाल ,श्री फल भेंट कर सम्मान किया।

विधायक ने एआरटीओ पर घूसखोरी का आरोप लगाते हुए परिवहन मंत्री को लिखा पत्र

महोबा। मूंगफली फसल को ट्रैक्टरों में लादकर क्रय केंद्र बेचने जाते समय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा मूंगफली लदे ट्रैक्टरों के हजारों रुपये के चालान काटे जाने किसानों में खासा आक्रोश जताया और एआरटीओ द्वारा किए गए चालान औरकी छबि धूमिल जाने की सूचना मिलने पर चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत ने परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर जांच कराकर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। चरखारी विधायक ने परिवहन मंत्री को भेजे पत्र में आरोप लगाया कि जनपद में एआरटीओ के पद पर तैनात दयाशंकर भ्रष्टाचार में लिप्त है। मूंगफली से भरे ट्रैक्टर ट्राली लेकर क्रय केन्द्र में बेचने जाने वाले किसानों के ट्रैक्टरों के 40.40 हजार रुपये का जुर्माना लगाकर चालान किये जा रहे हैए इससे किसानों में सरकार के प्रति आक्रोश पनप रहा है। एआरटीओ सरकार की छबि धूमिल करने में जुटा हुआ है। परिवहन मंत्री को भेजे पत्र में विधायक ने बताया कि ट्रक ऑपरेटरों ने भी अवगत कराया कि सवारी वाहनों से प्रतिमाह लाखों रुपये की वसूली एआरटीओ द्वारा की जा रही है। एआरटीओ के कार्यभार ग्रहण करने के बाद भी विभाग में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। एआरटीओ की जांच कराकर उसके खिलाफ कार्यवाई की जायेए जिससे भ्रष्ट अधिकारियों में लगाम लग सके।

जिलाधिकारी ने एडवाइजरी जारी कर शीतलहर से बचने के जिले वासियों को दी सलाह

महोबा। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने शीतलहर को देखते हुए एडवाइजरी जारी करते हुए ठंड से बचाव के लिए जिले वासियों को आपातकालीन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बारीकी से पालन करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि घर के अंदर रहने और ठंडी हवा के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। भारी कपड़ों की एक परत के बजाय ढीले फिटिंग, हल्के, विंड प्रूफ गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहने। अपने आप को सूखा रखें, अपने सर, गर्दन, हाथों और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढकने का प्रयास करें, क्योंकि शरीर के इन अंगों के माध्यम से शरीर को ठंड लगने का खतरा अधिक रहता है। उन्होंने बताया कि दस्ताने पहने क्योंकि ठंडक से गर्मी और इंसुलेशन प्रदान करते हैं क्योंकि उंगलियां अपनी गर्मी साझा करती हैं और ठंड के लिए काम सतह क्षेत्र को उजागर करती हैं।

डीएम ने पशुपाल, पशुधन के संबंध में बताया कि शीतलहर के दौरान जानवरों और पशुधन को जीविका के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता पड़ जाती है। पशुओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले चारे या चारागाह का उपयोग करें साथ ही जानवारों को ठंड के मौसम में खुले में न बांधे और वसा युक्त खुराक प्रदान करें आहार सेवन खिलौने और चबाने के व्यवहार पर अनुपात केंद्रित करें तथा जलवायु अनुकूल शेड का निर्माण करें, जो सर्दियों के दौरान अधिकतम सूर्य प्रकाश तथा गर्मियों के दौरान कम विकिरण की अनुमति देता है।

बरवार गांव मे विकास कार्यो के नाम पर हुआ भ्रष्टाचार

चित्रकूट। मऊ विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत बरवार में विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार किया है।

ग्राम पंचायत निवासी रामसूरत निषाद ने जिलाधिकारी को एक पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि चतुर्थ और पंचम वित्त के माध्यम से कराए गए 21 कार्यों में भारी अनियमितता की गई है और सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इन कार्यों में लगभग 13 लाख रुपए का गबन हुआ है। पंचायत भवन में सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम बिना कैमरे लगाए और बिना अर्थ फीलिंग किए पूरा कर दिया गया, फिर भी भुगतान कर दिया गया। इसके अलावा, बिना रिबोर किए पेयजल टैंकरों के लिए भी पैसा निकाला गया। पुस्तकालय और पेयजल आपूर्ति के नाम पर भी फर्जी भुगतान किए गए हैं। इन कार्यों की जांच की जाए, तो बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार उजागर हो सकता है।

सार समाचार

म्यांमार में विद्रोही समूह का माउंगडॉ शहर पर कब्जा

नाएप्यीडॉ (म्यांमार)। म्यांमार में विद्रोही समूह अराकान आर्मी (एए) ने सरकारी बलों के साथ चल रहे संघर्ष के बीच रखाइन राज्य के माउंगडॉ शहर पर कब्जा कर लिया। विद्रोही समूह को यह सफलता महीनों की लड़ाई के बाद मिली। वर्ष 2021 में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को अपदस्थ कर हुए सैन्य तख्तापलट के बाद म्यांमार विनाशकारी गृहयुद्ध में उलझ गया है। विद्रोही समूह अराकान आर्मी आठ महीने से अधिक समय से सक्रिय रूप से जुंटा से लड़ रही है।

बांग्लादेश : अभिनेत्री शोमी की अंतरिम जमानत पर रोक

ढाका। बांग्लादेश की प्रमुख अभिनेत्री और ई-कॉमर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश की पूर्व अध्यक्ष शोमी कैसर को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उनकी अंतरिम जमानत पर प्रतिबंध लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन के चैंबर जज जस्टिस एमडी रेजाउल हक ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग करने वाली राज्य की याचिका के बाद यह आदेश पारित किया।

युद्धग्रस्त लेबनान से 85 बांग्लादेशी स्वदेश लौटे

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपने खर्च से युद्धग्रस्त लेबनान में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी करवा रही है। आज इथियोपियाई एयरलाइंस की उड़ान (संख्या ईटी-0680) से 85 स्त्री-पुरुष और बच्चे स्वदेश पहुंचे। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब तक 16 उड़ानों से 1,048 नागरिकों की स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है। आज सुबह सभी 85 नागरिक ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। प्रत्येक व्यक्ति को 5,000 टका प्रदान किए गए। लेबनान में बमबारी की घटना में एक बांग्लादेशी नागरिक की जान चली गई।

इमरान के समर्थकों को सजा सुना सकेंगी सैन्य अदालतें

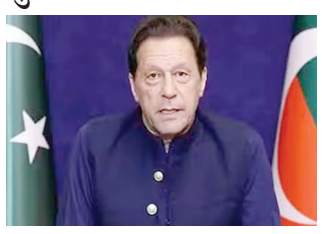

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में नौ मई 2023 को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थन में हिंसा करने वाले 85 लोगों के खिलाफ आरक्षित फैसलों को सैन्य अदालतें सुना सकेंगीं। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सैन्य अदालतों को इसकी सशर्त अनुमति दी। न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय पीठ ने पिछले साल के पांच सदस्यीय पीठ के फैसले के खिलाफ अंतर न्यायालयी अपील पर सुनवाई की।

द. कोरिया के राष्ट्रपति के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव पेश

सियोल। दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली में आज राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया। इस पर आगामी पूर्ण सत्र में मतदान होगा। येओल को इससे पहले मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा पर भी महाभियोग प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। इस पर रविवार को हुए मतदान में वह विपक्ष को शिकस्त देने में सफल रहे।

तृणमूल के प्रस्ताव पर भाजपा का जवाब माना जा रहा कदम

बंगाल में तृणमूल बाबरी मस्जिद बनाएगी तो भाजपा राम मंदिर

एजेंसी, कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के नेता ने अयोध्या में ढह चुकी बाबरी मस्जिद का ढांचा बहरामपुर में खड़ा करने की घोषणा की तो भाजपा ने वहां राम मंदिर बनाने का निर्णय सुना दिया। अब यह दोनों दलों के बीच संग्राम का नया मुद्दा बन गया है। भाजपा की मुर्शिदाबाद इकाई ने बहरामपुर में राम मंदिर बनाने की योजना की घोषणा की है। इस कदम को तृणमूल कांग्रेस के हालिया प्रस्ताव के जवाब में भाजपा की ओर से उठाया गया कदम माना जा रहा है। टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कुछ दिन पहले ही मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा इलाके में मस्जिद बनाने का सुझाव दिया था। प्रस्तावित मस्जिद को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद के मॉडल पर बनाया जाएगा, जिसे 6 दिसंबर 1992 को ढहा दिया गया था।

भाजपा की योजना के अनुसार, राम मंदिर का निर्माण 22 जनवरी, 2025 को शुरू होना है। यह अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के ठीक एक साल बाद है। भाजपा के बहरामपुर संगठनात्मक जिला अध्यक्ष शाखाराव सरकार ने पुष्टि की कि मंदिर के लिए भूमि की पहचान पहले ही कर ली गई है और इस परियोजना पर 10 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। दूसरी ओर, टीएमसी के कबीर ने मंगलवार को बेलडांगा में मस्जिद बनाने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र की महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक आबादी की भावनाओं का सम्मान करेगा।

उनकी टिप्पणी ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। विपक्षी दल उन पर राजनीतिक लाभ के लिए समुदायों का ध्रुवीकरण करने का प्रयास करने का आरोप लगा रहे हैं। राम मंदिर के निर्माण का प्रस्ताव देने के भाजपा के फैसले को मुर्शिदाबाद में हिंदू समुदाय के बीच अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जहां अल्पसंख्यक आबादी का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा है।

विवाद बढ़ते देख तृणमूल ने कदम खींचे

बढ़ते विवाद के मद्देनजर टीएमसी ने कबीर की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी ने इसे उनकी निजी राय बताया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कबीर के बारे में इस बयान से टीएमसी का कोई लेना-देना नहीं है। कबीर की घोषणा की कांग्रेस ने भी आलोचना की है, जिसने उन पर संवेदनशील क्षेत्र में विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया है।

सभापति और विपक्ष के नेता खड़गे के बीच खूब हुई कहासुनी

मैं किसान का बेटा हूं; मैं कमजोरी नहीं दिखाऊंगा: सभापति धनखड़

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ बने गतिरोध के कारण शुक्रवार को भी सदन की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले शुक्रवार को सभापति और सदन में विपक्ष के नेता के बीच खूब कहासुनी हुई। मीडिया में चल रहे व्यवस्थित अभियान पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि दिन-रात केवल सभापति के खिलाफ अभियान चल रहा है... यह अभियान मेरे खिलाफ नहीं, बल्कि मेरी श्रेणी के खिलाफ़ है।

धनखड़ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से पीड़ा है कि मुख्य विपक्षी दल ने सभापति के खिलाफ एक तीव्र अभियान चला रखा है। उन्हें मेरे खिलाफ प्रस्ताव लाने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन वे संवैधानिक प्रावधानों से विचलित हो रहे हैं... मैंने सार्वजनिक डोमेन में जो कुछ भी चलाया जा रहा है, उसका अध्ययन कर लिया है। हम संविधान का पालन क्यों नहीं कर सकते? आपने एक नोटिस दिया, जिसे हमने प्राप्त किया, आपने अपने प्रेस सम्मेलन में पूछा कि नोटिस का क्या हुआ? यह इंगित करते हुए कि सभापति नोटिस पर बैठे हुए हैं... कानून को पढ़िए, आपका प्रस्ताव आ गया है, 14 दिन के बाद आएगा। आपने एक अभियान शुरू कर दिया है।

किसान पुत्र होने और देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने की बात करते हुए सभापति ने कहा कि यह स्वीकार करें कि मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं कमज़ोरी नहीं दिखाऊंगा, मैं देश के लिए मर जाऊंगा, मिट जाऊंगा... आप लोग नहीं सोचेंगे, 24 घंटे में केवल एक काम है, किसान का बेटा यहां क्यों बैठा है? मैं अपनी आंखों से देख रहा हूं और पीड़ा महसूस कर रहा हूं।

राज्यसभा के सभापति ने बार-बार विपक्ष के नेता से अपील करते हुए कहा कि वे दोपहर में उनके कक्ष में मिलने का समय निकालें। इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए पूरी कोशिश होगी। सदन में जो कार्यवाही हो रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि सदन चलाना राष्ट्र, देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

विपक्ष पर विशेषाधिकार उल्लंघन का प्रस्ताव लाने की मांग

केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन ने सभा में लंबित विधेयक को लेकर अपना वक्तव्य रखा। इसके बाद सभापति ने सदन में बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत चार नोटिस प्राप्त हुए है। उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पर सदस्य राममोहन अग्रवाल को बोलने का मौका दिया। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि नियमों के तहत इस तरह का प्रस्ताव सदन में 14 दिन के इंतजार के बाद रखा जाना चाहिए था। इस प्रस्ताव को रखने से पहले विपक्ष मीडिया में अपना वक्तव्य रखता है। यह नियमों का उल्लंघन है, इसलिए उन सबके खिलाफ विशेषाधिकार उल्लंघन का प्रस्ताव लाया जाना चाहिए। इस पर चर्चा के दौरान नेता विपक्ष खड़गे ने कहा कि सदन में कांग्रेस पार्टी का अपमान किया जा रहा है। दोनों पक्षों की ओर से हंगामा जारी रहा। इसके बाद सभापति ने दोनों पक्षों से गतिरोध खत्म करने का अनुरोध करते हुए सभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

मैं भी मजदूर का बेटा हूं: खड़गे

सभापति के वक्तव्य का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप किसान के बेटे हैं तो मैं मजदूर का बेटा हूं। उन्होंने सभापति पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि आप भाजपा के सांसदों को बोलने का मौका दे रहे हैं, जबकि कांग्रेस को नहीं। हम यहां आपकी तारीफ सुनने नहीं आए हैं। कांग्रेस सांसद खड़गे ने कहा कि सदन चलाना सभापति की जिम्मेदारी होती है। सभापति विपक्षी सांसदों का अपमान करते हैं। जो सभापति मेरा सम्मान नहीं कर रहे, मैं उनका क्या सम्मान कर सकता हूं। आप मेरा अपमान कर रहे हैं।

अविश्वास प्रस्ताव पर उच्च सदन में हंगामा

सभापति धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर हंगामा किया। शोर गुल के बीच सभापति धनखड़ ने विपक्ष के नेता को समझाने का प्रयास किया और इस गतिरोध को खत्म करने के लिए उनसे अपील की। इसके बावजूद हंगामा नहीं थमा। नतीजतन, सभापति ने राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। शुक्रवार को राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही सभापति ने शतरंज के खिलाड़ी डी गुकेश को विश्व चैंपियन बनने पर सदन और 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से बधाई दी। उन्होंने कहा कि डी गुकेश ने विश्व पटल पर भारत का परचम लहराया है। उन्हें बहुत बहुत बधाई।

भारत ने हासिल की मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक

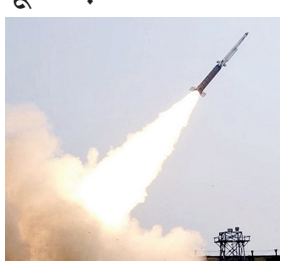

नई दिल्ली। भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी। डीआरडीओ के मुताबिक, सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है।

दिल्ली की महिलाएं मूर्ख तो नहीं हैं

केजरीवाल ने अपने बच्चों की कसमें खा-खा कर इतने झूठ बोल दिए हैं कि उनके इस दावे पर भी कोई विश्वास नहीं करता।

अजय सेतिया
की कलम से

आपने भस्मासुर की कहानी जरूर सुन रखी होगी। भस्मासुर ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की थी। अरविन्द केजरीवाल की कहानी भस्मासुर से मिलती-जुलती है। केजरीवाल ने भी दिल्ली की जनता का दिल जीतने के लिए कठोर तपस्या की। सरकारी नौकरी छोड़ने के बाद एनजीओ बनाया। दिल्ली की झुग्गी झोंपड़ियों में गए, जनता की समस्याएं सुनी, उन समस्याओं को दूर करने की कोशिश की। वह कहते हैं कि वह खुद झुग्गी झोंपड़ियों में रहते थे, उन्होंने अपने बच्चों की कसमें खा-खा कर इतने झूठ बोल दिए हैं कि उनके इस दावे पर भी कोई विश्वास नहीं करता। फर्क सिर्फ इतना है कि भगवान शिव की जगह पर आप देवता स्वरूप दिल्ली की जनता को रखिए। भस्मासुर ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। भगवान शिव खुश हुए भस्मासुर को दर्शन दिए और वर मांगने को कहा। भस्मासुर ने शिव से किसी भी व्यक्ति को भस्म करने का वरदान मांगा। इसी तरह केजरीवाल की तथाकथित तपस्या से दिल्ली की जनता खुश हुई और उन्हें मुख्यमंत्री बनने का वरदान दे दिया। वह तीन-तीन बार मुख्यमंत्री बने। केजरीवाल ने भी भस्मासुर जैसे शक्ति हासिल कर ली थी। उन्होंने सबसे पहले उस प्रशांत भूषण को निपटाया, जिसने आम आदमी पार्टी बनाने के लिए एक करोड़ का दान दिया था। फिर योगेन्द्र यादव, आनन्द कुमार, शाजिया ईल्मी, कुमार विश्वास एक-एक कर सबको भस्म किया। वरदान मिलने के बाद भस्मासुर अहंकारी हो गया और देवताओं पर अत्याचार करने लगा। केजरीवाल भी अहंकारी हो गया कि उसे अब कोई नहीं मिटा सकता, उसने 40 साल तक दिल्ली पर राज करने की कसम खा ली और अपनी जीवन शैली बदल ली। आम आदमी की जगह अय्याश बन गया, उसने अपने रहने के लिए जनता के पैसे से आलीशान शीशमहल बना लिया। देवता स्वरूप दिल्ली की जनता को शराब के नशे में डुबोने के लिए नई शराब नीति बनाई, दिल्ली की जनता को शराब के नशे में डुबोकर करोड़ों रुपए का वारा न्यारा किया। भस्मासुर इतना अहंकारी हो गया था कि उसने भगवान शिव को भस्म करने की ठान ली थी। केजरीवाल भी इतना अहंकारी हो गया कि उसने दिल्ली की जनता को अपनी मुट्ठी में रखने के लिए सब कुछ किया। भगवान शिव को भस्मासुर से बचने के लिए गुफा में छुपना पड़ा था। भगवान शिव को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने पार्वती का रूप धारण किया और भस्मासुर को अपने चंगुल में फंसाने के लिए उसके साथ नृत्य करने लगे। नृत्य के दौरान भगवान विष्णु ने अपने सिर पर हाथ रखा, जिसकी नकल भस्मासुर ने भी की और इस तरह भस्मासुर अपने ही वरदान से भस्म हो गया। केजरीवाल के भस्म होने का समय भी अब आ गया है, लेकिन यह तब होगा, जब कोई भगवान विष्णु के रूप में प्रकट हो। क्या खुद को विष्णु के अवतार भगवान राम की पार्टी कहने वाली भाजपा यह कर पाएगी। क्या वह शिव रूपी दिल्ली की जनता को भस्मासुर रूपी केजरीवाल से बचा पाएगी। केजरीवाल बहुत अच्छी तरह जानते हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके आन्दोलन के कारण वह सत्ता तक पहुंचे हैं। जन लोकपाल का उनका नारा बहुत आकर्षित करने वाला था। वह जानता है कि उसने जन लोकपाल बनाया ही नहीं और भ्रष्टाचार में कांग्रेस के भी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कैग की 14 रिपोर्टें छिपा कर बैठे हो, आप कैसे कट्टर ईमानदार हो। इसलिए दिल्ली का भगवान उससे बहुत नाराज है। लेकिन, केजरीवाल बहुत शातिर है, शायद भस्मासुर से भी ज्यादा शातिर है। 2013 और 2015 में दिल्ली के श्री व्हीलर वाले ही केजरीवाल के सबसे बड़े प्रचारक थे। लेकिन, भस्मासुर ने जो काम करना था, वही किया, उन्होंने महिलाओं के लिए फ्री बसें और ई-रिक्शा चलाकर सबसे पहले उन्हीं श्री व्हीलर वालों की जिन्दगी दूभर की थी। वे केजरीवाल से बेहद खफा हैं। इसलिए केजरीवाल ने वही ड्रामा किया, जो पहले दिल्ली, पंजाब और गुजरात में कर चुके थे। वह एक बिहारी श्री व्हीलर वाले के यहां खाना खाने गए और फिर दिल्ली के श्री व्हीलर वालों को 5 गारंटियों का लालीपॉप दे दिया। अब दूसरा किस्सा, केजरीवाल ने हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजों का बारीकी से विश्लेषण किया है। वह इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि इन चुनावों में महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका थी। इसलिए उन्होंने इस्तीफा देकर एक महिला आतिशी मार्लेना को मुख्यमंत्री बना दिया। फिर उसे कहा कि वह महिलाओं के लिए एक हजार रुपए महीने की योजना लागू करे, इस योजना का ऐलान वह खुद 2013 में भी कर चुका था, 2015 में भी कर चुका था और 2020 में भी कर चुका था। 2021 में पंजाब में भी यह वायदा किया था। योजना न दिल्ली में लागू हुई थी न पंजाब में लागू हुई है। दिल्ली इस समय कर्ज में डूबी है। आतिशी मार्लेना ने केंद्र सरकार से 15000 करोड़ का पैकेज मांगा है। इसलिए दिल्ली के वित्त विभाग ने कहा कि सरकार के पास सड़कों की मरम्मत तक के लिए पैसा नहीं है। यह मुफ्त की रेवड़ियां नहीं बांटी जा सकती। पैसा कहां से आएगा। वित्त विभाग की मंजूरी न होने के बावजूद आतिशी ने मंत्रिमंडल से योजना को मंजूरी दिला दी। योजना हवा में ही है, लागू नहीं होगी, लेकिन केजरीवाल ने दिल्ली की महिलाओं को बड़ी चालाकी से मूर्ख बनाने का काम किया है। योजना लागू होगी ही नहीं, इसलिए कह दिया कि योजना चुनावों के बाद लागू करेंगे और तब बढ़ाकर 2100 रुपया कर देंगे। जब सब जुबानी जमा खर्च है तो अभी 2100 कर देते। वैसे भी आप 2013 से लालीपॉप दे ही रहे थे तो क्या दिल्ली की महिलाएं मूर्ख हैं, जो केजरीवाल के झूठे झांसे में आएंगी। यह वही केजरीवाल है, जो महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी देकर अपने घर पर अपने गुंडों से महिला सांसद स्वाति मालीवाल की पिटाई करवा देता है। दिल्ली की महिलाएं अगर केजरीवाल पर भरोसा करेंगी तो वे सचमुच मूर्ख होंगी।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा तंत्र को बनाया निशाना

मास्को। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के खिलाफ एक बार फिर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इन हमलों में क्रूज मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया और मुख्य रूप से यूक्रेन के खस्ताहाल ऊर्जा तंत्र को निशाना बनाया गया। रूस की सेना ने यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला किया, जिससे देश में बिजली और ऊर्जा संकट और भी गहरा सकता है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हर्मन हेलुशेंको ने फेसबुक पर इस हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुश्मन का आतंक जारी है और बताया कि यूक्रेन के ऊर्जा कर्मचारी इस हमले के प्रभावों को कम करने के लिए दिन-रात प्रयास कर रहे हैं, जब स्थिति बेहतर होगी, तब वे नुकसान के बारे में और जानकारी देंगे।

13 जनवरी से प्रभावी होंगे बदलाव

एच-1बी वीजा: जीवनसाथियों के लिए वर्क परमिट अवधि 540 दिन होगी

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय (डीएचएस) एच-1बी और एल-1 वीजा धारकों के जीवनसाथियों के लिए स्वचालित वर्क परमिट नवीनीकरण अवधि को 180 दिनों से बढ़ाकर 540 दिन करने जा रहा है। यह बदलाव 13 जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगे और 4 मई, 2022 को या उसके बाद दाखिल किए गए आवेदनों पर लागू होंगे। इस विस्तार का मकसद प्रसंस्करण में देरी के कारण काम में रुकावटें रोकना है। भारतीयों को इस संसोधन से काफी फादा होगा। अमेरिका में ग्रीन कार्ड चाहने वाले एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथी (एच-4 वीजा) तथा एल-1 वीजा धारकों के जीवनसाथी (एल-2 वीजा) वर्क परमिट के लिए पात्र हैं। डीएचएस मंत्री एलेजांद्रो एन. मयोरकास ने कहा, जनवरी 2021 से, अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने 1.6 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा की हैं और गृह सुरक्षा मंत्रालय व्यवसायों को उन्हें भरने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आव्रजन में बाधाओं का बोझ घटाने को प्रतिबद्ध

यूएससीआईएस के निदेशक उर एम. जादौ ने कहा, हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए आव्रजन प्रणाली में बाधाओं व बोझ को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह अंतिम नियम अमेरिकी नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों को बेहतर तरीके से बनाए रखने में निश्चित ही सार्थक ढंग से मदद करेगा।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त हुए फ्रांस्वा बायरू

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देश के नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति कर दी है। 73 वर्षीय फ्रांस्वा बायरू अब फ्रांस के नए पीएम होंगे। बायरू को मध्यमार्गीय नेता के तौर पर जाना जाता है। वह इस साल ही देश में प्रधानमंत्री बनने वाले चौथे नेता होंगे। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही फ्रांस की संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर को पद से हटना पड़ा था। इसके बाद से ही देश में राजनीतिक संकट पैदा हो गया था। इमैनुएल मैक्रों इस वक्त मध्यमार्गीय मोडेम पार्टी के प्रमुख हैं।

सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया

नयी दिल्ली। भारत ने सीरिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है, जबकि दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावास ने अन्य भारतीयों को निकालने की तैयारी कर ली है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में सीरिया के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि सीरिया में भारतीय दूतावास लगातार काम कर रहा है।

ईरान-अमेरिका युद्ध की आशंकाओं पर बयान

कुछ भी हो सकता है: ट्रंप

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। दरअसल टाइम मैग्जीन के साथ एक बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान के अमेरिका साथ युद्ध की कितनी आशंका है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि कुछ भी हो सकता है। ट्रंप को टाइम मैग्जीन ने पर्सन ऑफ द ईयर चुना है। ट्रंप ने कहा कि 'कुछ भी हो सकता है। कुछ भी हो सकता है। यह एक बहुत ही अस्थिर स्थिति है।' ट्रंप ने कहा, 'उन्हें लगता है कि फिलहाल सबसे खतरनाक स्थिति यूक्रेन द्वारा रूस के भीतर मिसाइलें दागना है, जिससे लड़ाई और भीषण हो सकती है। गौरतलब है कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप का रुख ईरान के प्रति खासा सख्त रहा था। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड दल ने ट्रंप की हत्या की धमकी दी थी, जिसके बाद ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में धमकी दी थी। हालांकि ईरान ने आरोपों से इनकार किया था। साल 2020 में ट्रंप ने ही ईरान के खिलाफ हवाई हमले की मंजूरी दी थी, जिसमें ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। साल 2015 में बराक ओबामा सरकार में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता हुआ था।

रिपोर्ट | कम से कम 68 को उतारा गया मौत के घाट

पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए बेहद खतरनाक रहा 2024

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन की महानिदेशक ऑड्रे अजूले ने बताया कि वर्ष 2024 भी पत्रकारों व मीडिया कर्मियों के लिए बेहद खतरनाक साबित हुआ है। पत्रकारों के लिए यह लगातार दूसरा साल है, जो जानलेवा साबित हुआ है। इस दौरान अपना कामकाज करते हुए कम से कम 68 पत्रकारों को मौत के मुंह में धकेल दिया गया। पत्रकारों और मीडिया कर्मियों को जान से मार दिए जाने के इन मामलों में से 60 प्रतिशत मामले, ऐसे देशों में हुए जो टकरावों और युद्धों से जूझ रहे हैं। पिछले लगभग एक दशक में ये सबसे बड़ी संख्या है। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्री अजूले ने कहा कि टकरावों, युद्धों और संकटों से प्रभावित आबादी की मदद करने और दुनिया को जागरूक करने के लिए विश्वसनीय जानकारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है कि पत्रकारों को इस काम के लिए अपनी जान देनी पड़े. मैं सभी देशों से अन्तरराष्ट्रीय क़ानून के अनुसार मीडियाकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आहवान करती हूं। यूनेस्को की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल टकराव और युद्ध वाले क्षेत्रों में 42 पत्रकार मारे गए, जिनमें फलस्तीन में मारे गए 18 पत्रकार और मीडियाकर्मी शामिल हैं, जहां सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गईं। यूक्रेन, कोलम्बिया, इराक़, लेबनान, म्यांमार और सूडान जैसे अन्य देशों में भी अनेक पत्रकारों की मौतें हुईं, जिनसे हिंसा और अस्थिरता वाले क्षेत्रों में बढ़े हुए जोखिमों का संकेत मिलता है। 2023 में भी इस तरह का दुखद रुझान देखा गया था और इन दो वर्षों में टकरावों व युद्धों में सबसे अधिक संख्या में पत्रकारों की मौत हुई है, जो 2016-2017 के बाद से किसी भी तुलनीय अवधि की तुलना में सबसे अधिक संख्या है। पत्रकारों की सुरक्षा के मामले में निसन्देह टकरावों और युद्धों वाले क्षेत्र एक गम्भीर चिन्ता का विषय बने हुए हैं, दूसरी तरफ इस वर्ष के दौरान पत्रकारों की कुल हत्याओं की संख्या में कुछ कमी आई है। टकरावों और युद्धों से दीगर क्षेत्रों में पत्रकारों की मौतों में उल्लेखनीय कमी आई, जहां 26 पत्रकार मारे गए। यह 16 वर्षों में सबसे कम संख्या है।

हमलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

यह संगठन पत्रकारों की सुरक्षा और उनके विरुद्ध अपराधों को अंजाम देने वाले तत्वों के लिए दंडमुक्ति के चलन पर, संयुक्त राष्ट्र कार्य योजना जैसी पहलों के माध्यम से पत्रकारों की सुरक्षा के लिए काम करता है। पत्रकारों को शारीरिक खतरों के अलावा, वित्तीय और कानूनी दबावों सहित नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यूनेस्को ने 2019 और 2024 के बीच पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर हमलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो मीडिया के सामने आने वाले जोखिमों की उभरती प्रकृति को उजागर करती है।

संपादकीय

चंद्रचूड़ की सफाई

सुप्रीम कोर्ट के 13दिसंबर के देश के किसी भी मंदिर-मस्जिद से जुड़े मामलों में याचिका रजिस्टर करने पर लगने के बाद अब पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने वर्शिप एक्ट पर सफाई दी है। 2022 में एक मामले की सुनवाई के दौरान, चंद्रचूड़ ने वर्शिप एक्ट को लेकर कहा था कि यह कानून धार्मिक स्थलों के चरित्र को बदलने की अनुमति नहीं देता। इस पर चंद्रचूड़ ने कहा कि उनकी टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान चर्चा का हिस्सा थी और इसे अंतिम निर्णय नहीं माना जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि वर्शिप एक्ट पर उनका कोई विचार नहीं हो सकता, क्योंकि यह मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है और इस पर कुछ भी कहना अनुचित होगा। सवाल यह है कि जब वर्शिप एक्ट पर उनकी महज टिप्पणी मौखिक थी, अंतिम फैसला नहीं था तो कैसे निचली अदालतों और इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक के बाद एक सर्वे के आदेश दिए? संभल में तो पांच लोगों की जान भी चली गई। जब अदालतें मस्जिदों और दरगाहों के सर्वे के आदेश दे रहीं थीं, तभी चंद्रचूड़ ने यह क्यों नहीं कहा, जो अब कह रहे हैं? क्या वे नहीं जानते थे कि उनकी मौखिक टिप्पणी देश का माहौल तनावपूर्ण बना देगी? चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि कोर्ट की सुनवाई के दौरान जो चर्चाएं होती हैं, उन्हें केवल विचार विमर्श का हिस्सा माना जाना चाहिए। चंद्रचूड़ ने साफ किया कि अदालत की टिप्पणियों को अंतिम निर्णय से जोड़ना गलत है। जब तक जज का अंतिम आदेश न लिखा जाए, तब तक उस टिप्पणी का कोई अधिकार नहीं होता। चंद्रचूड़ की टिप्पणी के बाद अदालतों की अति सक्रियता से पूरा देश हिल गया, परेशान हो गया, क्या इसके लिए चंद्रचूड़ को माफी नहीं मांगनी चाहिए? यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट ने अब किसी धार्मिक स्थल के सर्वे पर रोक लगा दी है, लेकिन इस बीच देश में बहुत कुछ हो गया। हैरत तो यह है कि जब निचली अदालतें तेजी के मस्जिदों और दरगाहों के सर्वे का आदेश दे रही थीं, तब सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर इस पर रोक नहीं लगाई। रोक तब लगी, जब कुछ लोग उपासना स्थल कानून 1991 को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए। अगर ऐसा नहीं किया जाता तो शायद अब तक अदालतें सर्वे का आदेश देती रहतीं। अब भी सुप्रीम कोर्ट ने सही वक्त पर फैसला देकर देश को अंधकार में जाने से बचा लिया है। अब जरूरत इस बात की है कि सुप्रीम कोर्ट उपासना स्थल कानून 1991 को सखती से लागू करने का आदेश दे।

जब अदालतें मस्जिदों और दरगाहों के सर्वे के आदेश दे रहीं थीं, तभी चंद्रचूड़ ने यह क्यों नहीं कहा, जो अब कह रहे हैं? क्या वे नहीं जानते थे कि इसका क्या परिणाम हो सकता है?

पाठकवाणी

खुले बोरवेल काल के गड्ढे

अब खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाएं आम हो गईं हैं। सरकार ने कानून बना कर इसे दंडनीय अपराध भी घोषित किया है, फिर भी खेतों और अन्य स्थानों पर बिना ढक्कन के खुले बोरवेल छोटे बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए राजस्व विभाग ही कारगर साबित हो सकता है जिसके पास कृषि और उससे जुड़ी प्रमाणिक जानकारी दर्ज रहती है। देश में आए दिन खुले बोरवेल में कई मासूम बच्चे गिरकर जान गंवा चुके हैं। इस तरह की घटनाएं न केवल परिवारों के लिए दुखद हैं, बल्कि प्रशासन के लिए भी सिरदर्द बन जाती हैं, क्योंकि इन्हें बचाने के लिए दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है। सरकार के बोरवेल खुले छोड़े जाना कानूनन अपराध घोषित करने के बावजूद बोरवेल मालिक तनिक भी न तो दंड से भयभीत हैं और न ही उन्हें बच्चों की जान कीमत की परवाह है। ऐसे में या तो बोरवेल मालिक खुद अपने कार्य पूरे होते ही बोरवेल को सुरक्षित तरीके से ढंक दें। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो राजस्व विभाग पटवारियों के जरिए नियमित निरीक्षण से इनकी जानकारी हासिल करे और खुले बोरवेल की जानकारी सरकार को भेजे। ऐसे में खुले बोरवेल पर बड़ा आर्थिक दंड और सख्त कार्रवाई से ही इस समस्या का समाधान जनहित में हो सकता है। इससे भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति रोकने में मदद मिलेगी ।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर

कुछ खास

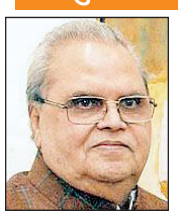

हरियाणा में मुझे लग रहा था 60 सीटें कांग्रेस जीतेगी और 20 भाजपा जीतेगी। कांग्रेस के लोग मेहनत नहीं करते हैं. कुछ नेता मानते थे वे सीएम हो गए। उन्होंने कुछ किया ही नहीं। पुलवामा हमले की ना जांच हुई और ना ही किसी को सजा मिली।

-सत्यपाल मलिक, पूर्व गवर्नर

आज का ट्वीट

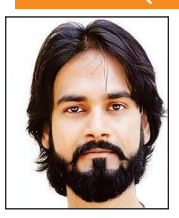

''दिल्ली पुलिस सीलमपुर इलाके में रहने वाले बांग्लादेशी परवासियों के दस्तावेज देख रही है। मेरा सवाल है कि अगर कोई हिंदू बांग्लादेशी निकल आया तो पुलिस क्या करेगी?''

-अशरफ हुसैन

साइबरवर्ल्ड

मोदी कपूर परिवार में शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस भी जगह जाते हैं उससे उनका नाता जुड़ जाता है। चाहे वह कोई राज्य हो या कोई शहर-कस्बा। जिस व्यक्ति से मिलते हैं उनके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं । अब वे जिस नये कुटुम्ब का हिस्सा बन गये हैं वह है भारत का प्रथम सिनेमाई परिवार यानी कपूर खानदान। राज साहब की जन्म शताब्दी पर कपूर खानदान मुंबई में एक कार्यक्रम कर रहा है; और पूरा परिवार प्रधानमंत्री को बुधवार को आमंत्रित करने दिल्ली गया था। जब राज कपूर के पोते रणबीर कपूर ने मोदीजी से कहा कि आने के पहले उनके परिवार के बीच इस बात को लेकर विमर्श होता रहा कि उन्हें क्या कहकर सम्बोन्धित करना होगा-मिस्टर प्राइम मिनिस्टर या प्रधानमंत्री जी... या कुछ और? इस पर अपनत्व दिखाते हुए मोदीजी ने पूरी विनम्रता के साथ कहा कि मैं इसी परिवार का हिस्सा हूं और आप मुझे कैसे भी सम्बोधित कर सकते हैं। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा प्राप्त स्नेह से गदगद राज कपूर की पुत्री रीमा ने पीएम को धन्यवाद तो दिया ही, स्वयं इस परिवार से आमंत्रण पाकर व उससे जुड़कर मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर न केवल राजकपूर के जयंती समारोह की जानकारी साझा की बल्कि इस मुलाकात के हाईलाइट्स यानी झलकियां दिखाने वाली कई तस्वीरें भी डाली हैं। देश के लब्ध प्रतिष्ठ किसी खानदान द्वारा प्रधानमंत्री को बुलाना अजूबा नहीं, न ही किसी के द्वारा इस प्रकार की मुलाकातों से देश-दुनिया को अवगत कराना बेजा बात है। यह दीगर बात है कि सोशल मीडिया पर कई विघ्नसंतोषी इस मुलाकात एवं मोदीजी की भावाभिव्यक्ति की यह कहकर खिल्ली उड़ा रहे हैं कि उनके पास मणिपुर जाने का समय नहीं है लेकिन कपूर खानदान से मिलने का भरपूर वक्त है, या फिर क्या मणिपुर के पीड़ित उनके परिवार का हिस्सा नहीं हैं? हद तो तब कर दी गयी जब कुछ लोगों ने कहा कि अनेक कलाकारों के साथ सबसे बड़ा अभिनेता। कपूर खानदान मे मोदी इसलिए शामिल हो चले हैं क्योंकि वह उस ग्लैमरस दुनिया का हिस्सा है जिसके मोदी हमेशा से मुरीद रहे हैं, फिर वह चाहे कलाकार हो, सफल खिलाड़ी अथवा कारोबारी व उद्योगपति।

-सुरजन पलाश की फेसबुक वॉल से

स्मार्ट मीटर की मार्फत निजीकरण

सामयिक

शाहीन सबा

भारत में बिजली एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन चुका है। जिस तरह रोटी, कपड़ा, मकान की जरूरत है उसी तरह से बिजली की जरूरत हो गई है। बिजली नहीं रहने से घर में रोशनी नहीं होती, मोबाईल से लेकर टीवी,पंखा, कूलर, फ्रिज कुछ नहीं चल सकता। इसको बढ़ावा देने का काम भारत सरकार ने किया है। वह राशन दुकान पर मिलने वाले मिट्टी के तेल को बहुत पहले बंद कर चुकी है जिससे शहरों से लेकर सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी रोशनी के लिए लोगों को बिजली पर निर्भर होना पड़ता है। खाना बनाने के लिए लकड़ी के बाद केरोसिन ऑयल था जिससे लोग स्टोव पर खाना बना लिया करते थे। सरकार ने 2019 में राशन की दुकानों पर केरोसिन की बिक्री पूरी तरह से बंद कर दी और उस पर मिलने वाली सब्सिडी को खत्म कर दिया। केरोसिन ऑयल छीनकर शहर से गांव तक लोगों को बिजली पर निर्भर बना दिया गया।

बिजली को बढ़ावा देने के लिए 25 सितम्बर, 2017 को प्रधानमंत्री ने दीनदयाल ऊर्जा भवन में 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना- सौभाग्य' का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य हर घर तक बिजली पहुंचाना है। इस योजना के तहत 31 दिसम्बर 2018 तक राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को घरेलू विद्युतीकरण कार्य पूरा करना था जिससे कि 2019 तक हर घर में बिजली पहुंचाई जा सके। इस योजना की विशेषता बताते हुए सरकार ने कहा है कि यह केरोसिन का विकल्प है। इससे सभी इच्छुक घरों तक बिजली की पहुंच, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, संचार में सुधार, सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार, नौकरी के अवसरों में वृद्धि, दैनिक कार्यों में, विशेषकर महिलाओं के लिए बेहतर गुणवत्ता मिलेगी। सरकार के तेजी से बिजली उत्पादन करने के चक्कर में एक नवम्बर, 2017 को 'एनटीपीसी' के 'ऊंचाहार प्लांट' में बॉयलर विस्फोट में तीस से अधिक कर्मचारी, इंजीनियर मारे गये और करीब 200 घायल हो गये।

बिजली के निजीकरण की ताजा तरकीब है, स्मार्ट-मीटर। इसमें ठीक मोबाइल फोन की तरह जरूरत-भर बिजली को रीचार्ज करके उपयोग किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इससे बिजली की चोरी रोकी जा सकेगी, लेकिन क्या यह तरकीब आम, गरीब उपभोक्ताओं के हाथ से बिजली छीनने की तरकीब नहीं होगी?

सरकार ने 8 अगस्त, 2022 को 'विद्युत (संशोधन) विधेयक, 2022' को लोकसभा में पेश कर पास भी करवा लिया। इससे बिजली का निजीकरण आसान हो गया। इससे पहले सरकार ने एक दिसम्बर, 2021 को 'संयुक्त किसान मोर्चा' (एसकेएम) को पत्र लिखकर आश्वसान दिया था कि 'बिजली बिल में किसान पर असर डालने वाले प्रावधानों पर पहले सभी स्टेकहोल्डर्स/'एमकेएस' से चर्चा होगी। चर्चा के बाद ही बिल संसद में पेश किया जायेगा।' सरकार बिजली के निजीकरण की जल्दबाजी में किसानों से की गई लिखित बातों से भी मुकर गई और बिना चर्चा के संसद में बिल पेश कर दिया। इसके विरोध में बिजली विभाग के कर्मचारियों ने कई राज्यों में प्रदर्शन किया जिसमें उत्तरप्रदेश के कर्मचारियों का मार्च 2023 में 73 घंटे का आन्दोलन प्रमुख था।

सरकार ने बिजली कम्पनियों को लाभ पहुंचाने के लिए 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना- सौभाग्य' में सभी तरह के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भारी धन मुहैय्या कराया। बिजली कम्पनियों की आसानी के लिए स्मार्ट-मीटर देश भर में लगाये जाने लगे जिसका काम सरकार ने निजी कम्पनियों को ही दे दिया। स्मार्ट-मीटर से लोगों पर बिजली का बोझ बढेगा, क्योंकि स्मार्ट-मीटर स्पार्क होने वाली जगह को भी यूनिट में जोड़ देगा, यहां तक बोर्ड में लगने वाला इंडीकेटर भी जोडेगा। भविष्य में इसको मोबाईल फोन की तरह बनाया जा सकता है, यानि पहले रीचार्ज करो फिर उपयोग करो। इससे रोजगार बढ़ने की बजाय पहले से बढ़ती बेरोजगारी में इजाफा होगा।

हम जानते हैं कि भारत की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है जहां फसल होने के समय ही उनके पास पैसा आता है। ऐसे में उन घरों में बिजली नहीं मिल पायेगा। इसका और भी प्रभाव होगा। 'उत्तरप्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन' के प्रबंधन ने आईटी विशेषज्ञों की कमेटी बनकार स्मार्ट बिजली मीटर की जांच कराई तो सभी वितरण-निगमों की ओर से लगाए गए मीटरों में खामियां पाई गईं। मीटर गलत रिकॉर्ड करने के साथ ही आरटीसी दो घंटे में ड्रिप कर रही है जिसका असर बिलिंग पर पड़ेगा। कॉरपोरेशन के वाणिज्य निदेशक निधि कुमार नारंग ने मीटर लगाने वाली कम्पनी जीएमआर, इटली स्मार्ट और पोलरिस को नोटिस जारी किया है।

हम मोबाुल के उदाहरण से इसको समझ सकते हैं कि किस तरह से मोबाईल के रिचार्ज को कम्पनियां बढ़ाती जा रही हैं। आपका नेटवर्क रहे या नहीं, उनका दिन कम होता जाता है। पहले सरकार ने हर काम के लिए आपको मोबाईल पर निर्भर किया। बैंक का काम हो, बच्चों को फार्म भरना हो, स्कूल में दाखिला हो या कोई भी काम आपके मोबाईल पर ओटीपी आता है जिसके कारण आपको हर महीना करीब 300 रुपये चार्ज कराना होता है। इसी तरह घरों तक बिजली पहुंचाकर लोगों से बिजली के सामान पंखा, कूलर, टीवी इत्यादि के सामान खरीदकर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया गया।

'विद्युत (संशोधन) विधेयक 2022' की मार्फत बिजली का निजीकरण कर लोगों पर बिजली के बोझ लादे जाने की तैयारी है। इस बात को जनता समझ गई है और देश में कई जगह स्मार्ट-मीटर का विरोध हो रहा है। पश्चिमी उत्तरप्रदेश में लोगों ने मेरठ जिला कार्यालय में जाकर विरोध जताया तो बिहार में 'राष्ट्रीय जनता दल' ने स्मार्ट-मीटर को मुद्दा बनाया हुआ है। उड़ीसा के बरगढ़ जिले के पदमपुर में 8 नवम्बर को स्मार्ट-मीटर के खिलाफ 'संयुक्त कृषक संगठन' द्वारा 'कृषक गर्जन समावेश' का आयोजन किया गया। 'कृषक गर्जन समावेश' में जानकारी दी गई कि उड़ीसा में 15000 से अधिक स्मार्ट-मीटर उखाड़कर ग्रिड कार्यालय और 'टीपीडब्ल्यूओडीएल' के कार्यालय के सामने फेंक दिया। लोगों ने बताया की उपभोक्ताओं और विशेष रूप से किसानों की सहमति के बिना स्मार्ट-मीटर लगाने से भारी आक्रोश है। स्मार्ट-मीटर का विरोध करने वाले किसान नेताओं पर सरकार झूठे केस लगा रही है। किसान नेता रमेश महापात्रा को आदतन अपराधी बता रही है जिसका उड़ीसा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और बरगढ़ जिला बार एसोसिएशन ने विरोध किया है।

इस आन्दोलन का असर यह रहा कि बरगढ़ जिला कलेक्टर को घोषणा करना पड़ी कि बकाया राशि के कारण किसी की बिजली नहीं काटी जाएगी। इस लड़ाई को मजबूती देने के लिए 'एसकेएम' से पी. कृष्णाप्रसाद और 'किसान-मजदूर परिषद' से अफलातून और राजेन्द्र चौधरी ने भाग लिया। बिजली का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि सभी चुनावी पार्टियां, खासकर राष्ट्रीय स्तर की भाजपा, कांग्रेस और आप हर चुनाव में 300 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा कर रही है। एक तरफ बिजली फ्री देने का वादा तो दूसरी तरफ सरकार बनने के बाद बिजली के निजीकरण और स्मार्ट मीटर लगाकर जनता की जेब काटने की योजना बनाई जा रही है।

अमृतवाणी

बोलने से पहले

एक जंगल में पक्षियों के राजा गरूड़ रहते थे। एक दिन पक्षियों ने सभा बुलाई। अपने नेता के बारे में चर्चा करने लगे। एक तोता बोला, गरूड़ को अपना राजा बनाने का क्या लाभ? वह तो सदा वासुदेव की भक्ति में लगा रहता है, मुश्किल में हमारी मदद भी नहीं कर पाएगा। उसकी बात से सभी पक्षी सहमत हो गए और उन्होंने नया राजा चुनने का विचार किया। सर्वसम्मति से उल्लू को राजा चुना गया। अभिषेक की तैयारियां होने लगी। ज्यों ही उल्लूकराज राजसिंहासन पर बैठने वाले थे त्यों ही कहीं से एक कौआ आकर बोला, तुम सब क्यों यहां इकट्ठे हो? यह कैसा समारोह है? कौए को देखकर सभी आश्चर्य में पड़ गए। उसे तो किसी ने बुलाया ही नहीं था। पर कौआ सबसे चतुर कूटराजनीतिज्ञ पक्षी है, ऐसा उन्हें पता था इसलिए सभी कौए के चारों ओर इकट्ठे होकर मंत्रणा करने लगे। उलूकराज के राज्याभिषेक की बात सुनकर कौए ने हंसते हुए कहा, मूर्ख पक्षियों! इतने सारे सुंदर पक्षियों के होते हुए दिवांध और टेढ़ी नाक वाले बदसूरत उल्लू को तुम सब ने राजा बनाने का कैसे विचार किया? वह स्वभाव से ही रौद्र और कटुभाषी है। एक राजा के होते हुए दूसरे को राजा बनाना विनाश को निमंत्रण देना है। किसी दूसरे दिन, किसी दूसरे पक्षी को अपने नेता के रूप में चुना जाएगा ऐसा निर्णय कर सभी पक्षी अपने घर चले गए। दिन का समय था। उल्लू अकेला रह गया क्योंकि दिन में उसे दिखता ही नहीं है। एक दूसरे उल्लू ने धीरे से उल्लू के कान में फुसफुसाकर कहा, महाराज, कौए ने आपके राज्याभिषेक में खलल डाली है, सभी पक्षी घर चले गए हैं। चिढ़े हुए उल्लू ने कौए से कहा, क्यों रे दुष्ट! तुम्हारे कारण मैं राजा न बन सका। आज से तेरा मेरा वंशपरंपरागत बैर रहेगा। बोलने से पहले विचार अवश्य करना चाहिए।

तीखी नजर

सम्मानजनक धंधा है बाबागीरी

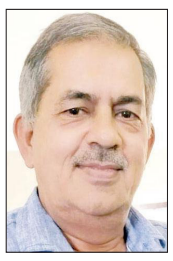

सुधाकर आशावादी

हींग लगे न फिटकरी सिर्फ नाटक का है खेल, जब बाबागीरी का धंधा चले, अन्य धंधे सब फेल, यह उक्ति यूँ ही नहीं बनी है। यह उनके लिए बनी है, जिन्हें लोगों को भ्रमित करने की कला आती है। जिनकी कला के मायाजाल में फंसकर व्यक्ति अपने घर परिवार का मोह छोड़कर उन्हीं की शरण में चला जाता है। महिलाएं अपने पति और बच्चों का मोह छोड़कर उनके आंगन में सफाई करने को प्राथमिकता देने लगती हैं। बाबा ऐसा शब्द है, जिसका स्मरण करते ही धीर गंभीर एवं अनुभवी चेहरा आंखों में उभर आता है। परिवार के मुखिया को भी बाबा की संज्ञा दी जाती है और सत्संग में प्रवचन करने वाले को भी।

आजकल बाबा नाम का आकर्षण कुछ कम होने लगा है। जब से पांच सितारा होटल की तरह विलासिता पूर्ण सुख सुविधाओं से सुसज्जित आश्रमों में बाबा निवास करने लगे हैं तथा लग्जरी वाहनों के काफिले संग चलने लगे हैं। बाबाओं के ठाठ बाट देखकर बाबा बनने की ओर भला कौन नही बढ़ना चाहेगा। सो यह धंधा आजकल अधिक डिमांड में है। इसके लिए बाबा को आडम्बर रचाना पड़ता है। गेरुए वस्त्र धारण करना और लम्बी दाढ़ी बढ़ाना अब बाबा के ड्रेस कोड का हिस्सा नही रहा। बाबा सफारी सूट या शर्ट पैंट या किसी भी प्रकार के परिधान धारण करने के लिए स्वतंत्र हैं। इतना अवश्य है कि झूठ और चमत्कार की अफवाह फैलाकर बाबा को मनोकामना पूर्ण करने वाला चमत्कारी पुरुष दर्शाना पड़ता है। ऐसे में बाबा के दिहाड़ी पर रखे गए चेलों की खास भूमिका होती है। यही चेले बाबा के चमत्कारों का महिमा मंडन करते हैं। कुछ नुस्खे आजमाने पड़ते हैं, तब कहीं एक अदद बाबा का निर्माण होता है।

एक छिपा रहस्य यह भी है, कि बाबा अपने बारे में अधिक नही बोलता, बाबा की महिमा का बखान कुछ विशेष भक्त करते हैं। बाबा केवल गारंटी देता है, बाबा गारंटी कार्ड नहीं बांटता, बाबा स्वयं को परमात्मा का रूप बताता है। बाबा के आश्रम में जमीन से पानी निकालने वाले नल जल नहीं, अपितु औषधि युक्त अमृत उगलते हैं। बाबा बनना इतना आसान भी नही है, जितना समझा जाता है। एक लम्बी साधना धैर्य एवं सोची समझी योजना से ही बाबा रूपी आकर्षण उत्पन्न किया जा सकता है। बाबा बनने के अचूक नुस्खों का अध्ययन करें, तो सर्वप्रथम बाबा में वाकपटुता का गुण होना आवश्यक है, कि सामने वाले की जिज्ञासाओं को कैसे शांत करना है, फिर उसे ऐसे चमत्कार दिखाने जरूरी हैं कि उसमें किसी दैवीय शक्ति का वास है। जिससे वह किसी की पीड़ा हर सकता है। उसे अभय मुद्रा में रहने का अभ्यास हो, ताकि वह अधिक समय तक भक्तों को आशीर्वाद देता रहे। उसकी गारंटी भले ही यथार्थ में झूठी निकले, लेकिन उसके भक्त उन गारंटियों के सही सिद्ध होने का प्रचार निरंतर करते रहें। झूठ भी सत्य प्रतीत होने लगता है। जब अफवाहें फैलाकर शीर्ष सत्ता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं, तो फर्जी गारंटी की अफवाह फैलाकर बाबागीरी के धंधे में सफल क्यों नहीं हुआ जा सकता।

नजरिया

मुफ्त योजनाओं पर पुनर्विचार की जरूरत

अरविंद कुमार संभव

केवल वर्ष 2021-2022 के दो वर्षों में बैंकों द्वारा विभिन्न औद्योगिक घरानों को 3.94 करोड़ रुपए बट्टे खाते में डाल दिए गए थे यानि माफ कर दिए गए थे। यदि विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किसानों के माफ किए गए ऋणों के आंकड़े देखें तो ये भी कई लाख करोड़ रुपए बैठते हैं।

भारत धीमे धीमे अपने कदम विकसित देशों की श्रेणी की तरफ बढ़ा रहा है और इसमें बहुत बड़ा योगदान जीएसटी प्रणाली तथा औद्योगिक उत्पादनों का है। वो दिन गये जब भारत को कृषि प्रधान देश मानकर विकासशील देशों में गिना जाता था। नरसिम्हा राव के समय से ही जब अर्थव्यवस्था का उदारीकरण आरम्भ हुआ और भारत के आर्थिक गलियारे निजी क्षेत्रों एवं विदेशी निवेशकों के लिए खोले जाने लगे तो यह निश्चित हो गया था कि भारत देर-सवेर, आइटी, मैन्युफैक्चरिंग एवं असेंबलिंग उद्योग में एक ताकत बनेगा जिससे प्रति व्यक्ति आय, रोजगार तथा जीडीपी में पर्याप्त इजाफा होगा। यह हुआ भी लेकिन रोजगार में उम्मीद के मुताबिक अवसर उत्पन्न नहीं हुए। व्यापक ऑटोमेशन के कारण उद्योग तथा कार्यालयों में मानव श्रम की आवश्यकताएं कम होती गईं और शहरीकरण,सड़क निर्माण एवं उद्योग विस्तार ने कृषि भूमि का क्षेत्र चेतावनी स्तर तक कम कर दिया जिसके कारण कृषि रोजगार में भी कमी आ गई। रही सही कसर कोविड के प्रकोप ने रोजगार छीन कर पूरी कर दी।

यही वो बिंदु था जिसने केंद्र एवं राज्य सरकारों को चिंता में डाल दिया और उन्हें गरीबी तथा बेरोजगारी से उपजे जन आक्रोश की गंध महसूस होने लगी। इस के अल्पकालिक निदान के लिए जनता को प्रत्यक्ष सहायता योजना सर्वप्रथम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एवं उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने प्रारंभ की जिसमें गरीबी रेखा से नीचे आने वाले परिवारों को प्रति व्यक्ति पांच किलो प्रतिमाह अनाज मुफ़्त में वितरण किया जाने लगा। बाद में लगभग सभी राज्य सरकारों ने विभिन्न नामों से यह योजना चालू कर दी। केंद्र सरकार यहां ही नहीं रुकी। उसने किसानों को खुश करने के लिए नकद राशि सीधे उनके खातों में बतौर सहायता हस्तांतरित करना प्रारंभ किया। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार, झारखंड की सोरेन सरकार तथा महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने महिलाओं के खाते में नकद राशि देने का निर्णय किया। तमिलनाडु में पहले से ही अल्प आय वर्ग को मुफ्त भोजन तथा साड़ी वितरण का कार्य चल रहा है। इन योजनाओं से वहां सरकार चला रहे दलों को चुनावी फायदे भी हुये और वे सत्ता में वापस लौटने भी लगे। किसान सब्सिडी और मुफ़्त राशन योजना का भारतीय जनता पार्टी को 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में विजयी बनाने में महत्वपूर्ण हाथ था।

अब यदि अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र के सिद्धांतों पर इस प्रकार की योजनाओं को परखा जाए तो इस प्रकार की मुफ़्त योजनाओं को कभी भी अच्छा नहीं माना गया है और इनसे किसी देश की अर्थव्यवस्था पर एक बहुत बड़ा अनावश्यक बोझ पड़ता है जिसका दुष्प्रभाव जनता के ऊपर करों में बढ़ोतरी तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं में कटौती के रूप में आता है। इसके साथ ही सामाजिक रूप से भी देखें तो जनता में मुफ्तखोरी की प्रवृत्ति कालांतर में शिक्षा एवं मेहनत के आधार पर कमाने की क्षमता और नीयत को कमजोर करने का कार्य करती है जो किसी भी उन्नत राष्ट्र की विकास गति को धीमे कर देती है। राजनैतिक रूप से सत्तारूढ़ दल को वोटों में बढ़त इस योजना से भले ही मिलती हो किंतु नैतिक रूप से यह एक तरह से वोट के बदले रिश्वत ही मानी जायेगी भले ही इस प्रकार की मुफ़्त सहायता कानूनी या संवैधानिक रूप से अवैध नहीं भी हों। देश और राज्यों की अर्थव्यवस्था पर कई लाख करोड़ रुपए का भार केवल इन मुफ़्त सहायता योजनाओं के कारण पड़ रहा है।

यहां यह वाजिब सवाल भी उठेगा कि जब बड़े कारपोरेट घरानों के लाखों करोड़ रुपए माफ कर दिये जाते हैं तो वहां अर्थव्यवस्था की प्रगति बाधक क्यों नहीं होती? जी हां, यह भी एक खतरनाक सिस्टम पैदा हुआ है भारत में जिसमें केंद्र सरकार के मातहत कार्य कर रही बैंक लोन सैटलमैंट के नाम पर बड़े व्यवसायिक घरानों के बकाया ब्याज को माफ करती रही हैं। हालांकि मूल रकम माफ नहीं की जाती है। इसी तर्ज.पर राज्य सरकारें भी किसानों का ऋण माफ करती आ रही हैं । यह ऋण माफी भी एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए कलंक जैसी ही है और यह ऋणी को ऋण नहीं चुकाने के लिए प्रेरित करती है। होना यह चाहिए कि सरकारें किसानों को खाद, बीज, डीजल, बिजली, पानी में सब्सिडी प्रदान करें बजाय इसके कि उनका समूचा ऋण ही माफ कर दें। इसी प्रकार औद्योगिक इकाइयों को अपने उत्पादों पर एक समय सीमा तक करों में रियायत प्रदान करें। निर्यात पर भी अंतरराष्ट्रीय कानूनों की सीमा में रहकर सब्सिडी दी जा सकती है। उनकी ऋण माफी कतई जायज नहीं है और इससे समूची बैंकिंग व्यवस्था पर चोट पहुंचती है। ग्रामीण बेरोजगारी दूर करने के लिए सरकार मनरेगा जैसी योजनाओं को सशक्त करे तथा शिक्षित बेरोजगारों के लिए भी इसी तर्ज पर कोई सेवा योजना लेकर आए। किसी भी सशक्त अर्थव्यवस्था के लिए रोजगार सृजन एक महत्वपूर्ण बिंदु होता है। भारत में इसके लिए कृषि योग्य भूमि का रकबा बढ़ाने के प्रयास करने होंगे तथा बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग उद्योग, असेंबलिंग यूनिट्स तथा आइटी सेक्टर को बढ़ावा देना होगा तथा उनके लिए आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होंगी। करों में छूट तथा अंतरराष्ट्रीय समझौतों की सीमा में निर्यात सब्सिडी देना भी एक बड़ा प्रोत्साहन हो सकता है।

आरबीआई के आधिकारिक आंकड़े के अनुसार केवल वर्ष 2021-2022 के दो वर्षों में बैंकों द्वारा विभिन्न औद्योगिक घरानों को 3.94 करोड़ रुपए बट्टे खाते में डाल दिए गए थे यानि माफ कर दिए गए थे। यदि विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किसानों के माफ किए गए ऋणों के आंकड़े देखें तो ये भी कई लाख करोड़ रुपए बैठते हैं।

सार संक्षेप

तमिलनाडु सरकार युवा विश्व चैंपियन को देगी पांच करोड़ रुपये का पुरस्कार

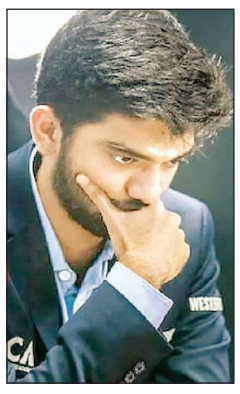

चेन्नई : तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश को पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को तमिलनाडु को गौरवान्वित करने वाले गुकेश को उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के अनुरोध पर पांच करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार स्टालिन ने विश्व चैंपियन बनने के तुरंत बाद गुकेश से फोन पर बात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि सिंगापुर में हुई विश्व चैंपियनशिप के 4वें और अंतिम दौर में गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 7.5 - 6.5 से हराकर विश्व चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था।

भारत की त्रिशा-गायत्री की जोड़ी अंतिम ग्रुप मैच में हारी

हांगझोऊ : भारत की महिला युगल जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 के अंतिम ग्रुप ए मैच में नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापानी जोड़ी से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। चीन के हांगझोऊ में चल रहे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में बैडमिंटन रैंकिंग में 13वें स्थान पर मौजूद त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद को 49 मिनट तक चले मुकाबले में पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक विजेता जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी ने सीधे गेम में 17-21,13-21 से हराया। भारतीय और जापानी जोड़ी ने बराबरी के साथ मैच की शुरुआत की। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता गया जापानी जोड़ी ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पहले गेम में नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 21-17 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई। इसके बाद त्रिशा और गायत्री ने कई गलतियां की और अपनी बढ़त को गंवा दिया। जापानी जोड़ी ने एक बार फिर भारतीय जोड़ी पर अपना दबदबा कायम करते हुए दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम किया।

गूगल ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के अंतिम दौर के जश्न में बनाया रंगीन डूडल

नई दिल्ली : गूगल ने शुक्रवार को शतरंज चैंपियनशिप के अंतिम दौर के जश्न को मानते हुए डूडल को शतरंज के विभिन्न रंगों वाले मोहरों के रूप में प्रदर्शित किया। गूगल ने फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 के अवसर पर एक विशेष तरह का एनीमेशन डूडल बनाया है। इसमें पीले, लाल, नीले और सफेद रंग के शतरंज के मोहरों दिखाया गया हैं। जब यूजर्स डूडल पर क्लिक करते हैं, तो उन्हें एक विशेष गूगल डूडल पेज पर भेजा जाता है, जिसमें लिखा होता है- सेलिब्रेटिंग चेस, यानी शतरंज का जश्न मनाना। सिंगापुर के इक्वेरियस होटल रिसॉर्ट्स वर्ल्ड सेंटोसा में चली विश्व शतरंज चैंपियनशिप 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक चली। जिसे भारत के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को रोमांचक मुकबलों में पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

वाटिका की जीत में चार गोल करने वाले 16 वर्षीय आदिथ चमके

नई दिल्ली : वाटिका फुटबाल क्लब शुक्रवार को दिल्ली प्रीमियर लीग के खेले गये मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब 5-1 से हराया। यहां डाक्टर अम्बेडकर स्टेडियम पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब के विरुद्ध 5-1 की शानदार जीत के साथ वाटिका ने ना सिर्फ फार्म वापसी का संकेत दिया अपितु यह भी दर्शाया कि उसके युवा खिलाड़ी बड़े उलट फेर के लिए कंमर कस चुके हैं। मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी 'प्लेयर ऑफ द मैच' 16 वर्षीय आदिथ रघुनाथन के जमाए चार गोल। एक गोल होकीप ने किया। पराजित नेशनल यूनाइटेड का इकलौता गोल जी कोम के नाम रहा। इस जीत के साथ ही वाटिका ने 11 मैचों में 16 अंक बना लिए हैं । नेशनल यूनाइटेड के इतने ही मैचों में 16 अंक हैं। वाटिका ने शुक्रचसा की शानदार जीत के साथ अपनी फार्म वापसी का संकेत दे दिया है। उसके फारवर्ड ने कमसे कम छह अवसरों पर आसान मौके गंवाए वरना जीत का अंतर और बड़ा हो सकता था। पराजित टीम के गोल कीपर लाइमुजेम केन सिंह ने पहले हाफ में कई सुन्दर बचाव किए लेकिन दूसरे हाफ में उसने जैसे हथियार डाल दिए। खासकर आदिथ के आक्रमक खेल के आगे नेशनल की रक्षापंक्ति और गोली असहाय नजर आए।

टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाने उतरेगी टीम इंडिया

गाबा में तीसरा टेस्ट मैच आज से, विराट कोहली और रोहित शर्मा पर होंगी सबकी निगाहें

● ब्रिस्बेन,

बल्लेबाजों की फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम आज से गाबा के मैदान पर शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में शीर्ष और मध्यम क्रम में नई गेंद की चुनौतियों से निपटने में अनुभव जीत के लिए कारगर हथियार हो सकता है।

गाबा की उछाल भरी पिच पर कप्तान रोहित शर्मा की सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी और केएल राहुल मध्य क्रम में उतरने की रणनीति नई गेंद की चुनौतियों से निपटने में कारगर हो सकती हैं। पिछले दो टेस्ट मैचों में देखा गया है कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव भारत के लिए चुनौती बना हुआ है। गेंदबाजी में भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह पर अधिक निर्भर दिख रही है। राहुल अपनी बहुमुखी प्रतिभा और शांत स्वभाव के कारण महत्वपूर्ण खिलाड़ी माने जाते। उनके पास पारी के अंत तक ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों से निपटने का अनुभव हैं। रोहित के जायसवाल के साथ ओपनिंग करने पर भारत को शीर्ष पर युवा और अनुभव का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। ऐसे में सीरीज में सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज साबित हुए केएल राहुल को मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालनी होगी। यह फेरबदल न केवल भारत के बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है, बल्कि दबाव की समस्या का निराकरण करेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के महत्वपूर्ण योगदान के साथ-साथ भारत की बढ़त लेने की संभावना इस नए दृष्टिकोण पर निर्भर है। गेंदबाजी में आकाश दीप, हर्षित राणा की जगह ले सकते हैं, जबकि वाशिंगटन सुंदर को आर. अश्विन की जगह प्राथमिकता मिल सकती है। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया के शीर्षक्रम को देखा जाये तो ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट भले ही जीत दर्ज की हो, लेकिन उसके लिए भी शीर्षक्रम की फॉर्म अभी भी चिंता का विषय है। जॉश हेजलवुड पूरी तरह से फिट होकर टीम में वापसी कर रहे हैं और वह एकादश में बोलैंड की जगह लेंगे। इस बीच जोश हेजलवुड की वापसी से उत्साहित ऑस्ट्रेलिया भारत की लाइन-अप की किसी भी कमजोरी का फायदा उठाने का प्रसास करेगा। गाबा की पिच पूरी तरह से हरी दिख रही है, जिसका साफ मतलब है कि यहां पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल मिलेगा। जब भी सीजन की शुरुआत में यहां मैच हुए हैं, तेज गेंदबाजों ने मैच को जल्दी खत्म किया है और परिणाम ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में रहे हैं। वहीं पिछले चार सालों में जब दो बार यहां टेस्ट मैच सीजन के आखिर यानी जनवरी में हुआ है, तब ऑस्ट्रेलियाई टीम को क्रमशः भारत और विंडीज से बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है।

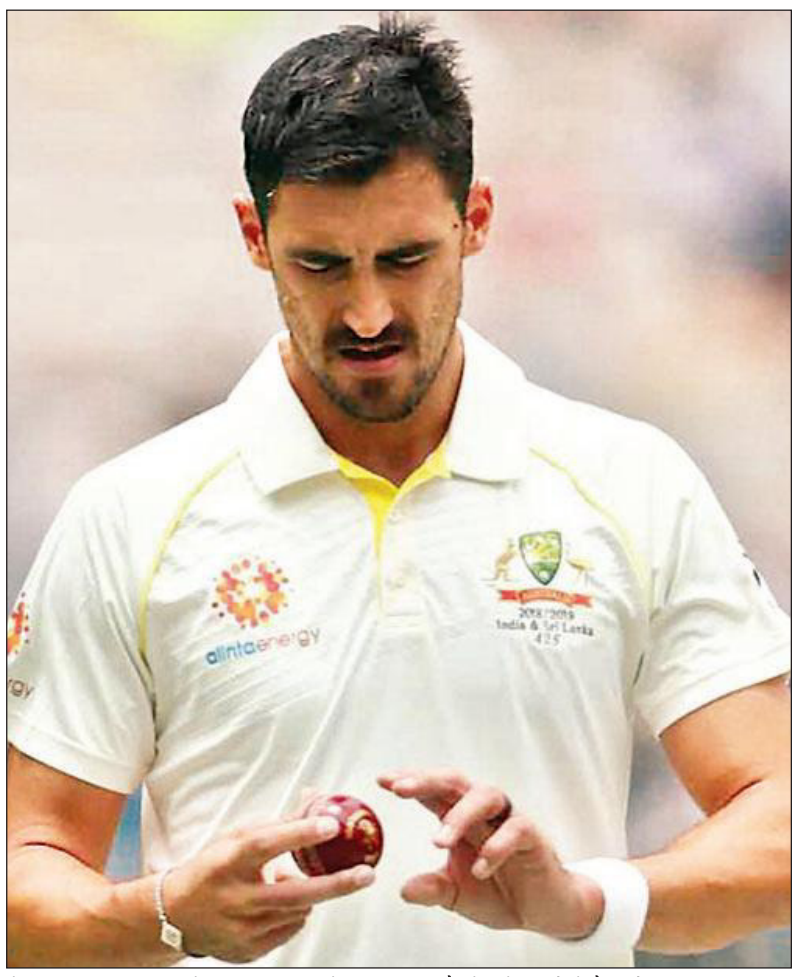

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 50 रनों से दी शिकस्त

हरारे, वार्ता: डरविश रसूली (58) रन की अर्धशतकीय पारी के बाद नवीन उल हक और राशिद खान (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने शुक्रवार को दूसरे टी-20 मुकबाले में जिम्बाब्वे को 50 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में एक-एक से बराबरी कर ली हैं। अफगानिस्तान के 153 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 17.4 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई। नवीन उल हक और राशिद खान के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। कप्तान सिकंदर रजा ने टीम के लिए सर्वाधिक (35) रनों की पारी खेली। ब्रायन बेनेट (27) और ताशिगा मुसेकीवा (13) रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के आठ बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके। अफगानिस्तान की ओर से नवीन उल हक और राशिद खान ने तीन-तीन विकेट लिये। मुजीब उर रहमान को दो, अजमतउल्लाह ओमरजई और फरीद अहमद को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 33 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

हेजलवुड हुए फिट, गाबा टेस्ट में खेलेंगे: कमिंस

ब्रिस्बेन, वार्ता: ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड फिट है और गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। कमिंस ने कहा कि हेजलवुड को अब कोई समस्या नहीं है और कल उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। दो दिन पहले एडिलेड में भी उन्होंने पूरा अभ्यास किया था। हमारे चिकित्सक दल की ओर से भी हरी झंडी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि बोलैंड को बाहर किया जाना कठिन था, वह एडिलेड में बेहतरीन थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें पिछले 18 महीनों में बेंच पर अधिक समय बिताने पड़ा हैं। हालांकि जब भी वह खेले हैं, बेहतरीन रहे हैं। मुझे अभी भी लगता है कि उन्हें सीरीज के दौरान और भी अवसर मिलेंगे। हमने उनको कहा है कि वह मेलबर्न के लिए तैयारी करें क्योंकि उन्हें वहां खेलने का अच्छा अवसर है। कमिंस ने कहा कि गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में एक बदलाव के साथ एकादश इस प्रकार है:- पैट कमिंस (कप्तान), ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नेथन लायन, मिचेल मार्श, नेथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क।

तमिल थलाइवाज को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचे पटना पाइरेट्स

● पुणे,

अयान (13), देवांक (12), और डिफेंडर शुभम शिंदे (5) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पटना पाइरेट्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 109वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-38 के अंतर से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

पटना ने 18 मैचों में 11वीं जीत हासिल की जबकि मोइन शफागी (11) और सचिन (8) के सराहनीय प्रदर्शन के बावजूद थलाइवाज को 18 मैचों में 11वीं हार को मजबूर हुई। इसी के साथ प्लेऑफ में जाने की थलाइवाज की उम्मीदों को झटका लगा है। जिस वक्त पटना आलआउट की कगार पर थे, अयान को बोनस देना थलाइवाज को भारी पड़ गया। बहरहाल, तीन बार के चैंपियन पटना ने अच्छी शुरुआत के साथ तीन मिनट में 5-2 की लीड बना ली थी। पांचवां मिनट बीतते-बीतते हालांकि थलाइवाज ने वापसी की राह पकड़ी और स्कोर 5-6 कर दिया। इसके बाद हिमांशु ने शुभम का शिकार कर स्कोर बराबर कर दिया। शुरुआती 8 मिनट में पटना को एक भी टैकल प्वाइंट नहीं मिला था, फिर भी वे 9-7 से आगे थे। इस बीच देवांक ने मल्टी प्वाइंटर के साथ न सिर्फ स्कोर 11-7 किया बल्कि थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। इसके बाद की रेड पर भी देवांक ने दो अंक लेकर थलाइवाज को आलआउट की कगार पर ला दिया। सचिन आए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने 16-9 की लीड ले ली। ब्रेक के बाद पटना ने शफागी को लपका तो थलाइवाज ने अयान और देवांक का शिकार कर पटना को बड़ा झटका दिया। 15 मिनट की समाप्ति तक थलाइवाज ने 12-17 के स्कोर पर वापसी की राह पकड़ ली थी। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक लिए पर सचिन ने मल्टी प्वाइंटर के साथ मामला बराबर कर दिया। हाफटाइम तक पटना 20-15 से आगे थे। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने एक अंक लिया तो दीपक ने सुपर रेड के साथ पटना को 23-16 से आगे कर दिया। इस बीच सुपर टैकल की स्थिति में देवांक ने सुपर रेड के साथ स्कोर 26-18 कर दिया। सचिन ने हालांकि आलआउट टाला और फिर साहिल ने देवांक को सुपर टैकल कर स्कोर 20-26 कर दिया।

वेस्टइंडीज ने किया क्लीन स्वीप

बांग्लादेश को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 अपने नाम की

बासटेयर, आमिर जंगू (नाबाद 104), केसी कार्टी (95) तथा गुडाकेश मोती (नाबाद 44 और एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे एक दिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को चार विकेट से हराया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया। 104 रनों की बेहतरीन पारी खेलने वाले आमिर जंगू 'प्लेयर ऑफ द मैच' से और शरफेन रदरफोर्ड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

बांग्लादेश के 321 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। ब्रैंडन किंग (15), ऐलेक ऐथनेज (07)और कप्तान शे होप (03) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद 15वें ओवर में वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (15) के रूप में अपना चौथा विकेट 86 के स्कोर पर गवां दिये। ऐसे संकट के समय केसी कार्टी के साथ आमिर जंगू ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 132 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने वेस्टइंडीज के जीत की नींव रखी। 34वें ओवर में रिशाद हुसैन ने केसी कार्टी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। केसी कार्टी ने 88 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हए (95) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रॉस्टन चेज (12) को भी रिशाद हुसैन ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये गुडाकेश मोती ने आमिर जंगू का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए मैच विजयी साझेदारी की। आमिर जंगू ने 83 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुये (नाबाद 104) रनों की पारी खेली।

मुंबई सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में

अजिंक्य रहाणे शतक से चूके, मुंबई ने सेमीफाइनल में बड़ौदा को छह विकेट से हराया

● बेंगलुरु,

अजिंक्य रहाणे (98) और कप्तान श्रेयस अय्यर (46) की तूफानी पारियों की बदौलत मुंबई ने शुक्रवार को हुए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बड़ौदा को छह विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली।

बड़ौदा के 158 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई का पहला विकेट पृथ्वी साव (08) के रूप में गिरा। साव को हार्दिक पंड्या ने आउट किया। उस समय मुंबई का स्कोर मात्र 30 रन था। जीत की ओर बढ़ रही मुंबई को 13वें ओवर में अतीत शेठ ने कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर बड़ौदा को दूसरी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 30 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (46) रनों की पारी खेली। अजिंक्य रहाणे ने 56 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्कों की मदद से (98) रनों की पारी खेली। रहाणे को अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत ने 17वें ओवर में आउट किया। सूर्यकुमार यादव एक रन

बनाकर आउट हुये। मुम्बई ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। सूर्यांश शेगड़े ने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। बड़ौदा की ओर से हार्दिक पंड्या, अतीत शेठ, अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत और शाश्वत रावत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बड़ौदा के लिए शाश्वत रावत और अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये अभी 23 रन ही जोड़े थे कि तीसरे ओवर में मोहित अवस्थी ने अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (09) को आउट कर मुंबई को पहली सफलता दिलाई। बड़ौदा का अगला विकेट कप्तान क्रुणाल पंड्या (30) के रूप में गिरा। भानु पनिया (02), हार्दिक पंड्या (05), विष्णु सोलंकी (06) और अतीत शेठ 14 गेंदों में (22) रन बनाकर आउट हुये। शिवालिक शर्मा ने 24 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 36) रनों की पारी खेली। महेश पिठिया (छह) रन बनाकर नाबाद रहे। बड़ौदा ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 158 रनों का स्कोर खड़ा किया। मुंबई की ओर से सूर्यांश शेगड़े ने दो विकेट लिये। मोहित अवस्थी, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, तनुष कोटियान और अथर्व अंकोलेकर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दिल्ली को सात विकेट से हराकर मध्यप्रदेश एसएमएटी के फाइनल में

● बेंगलुरु,

कप्तान रजत पाटीदार (नाबाद 66) की अर्धशतकीय और हरप्रीत सिंह (नाबाद 46) की आतिशी पारियों के दम पर मध्यप्रदेश ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली हैं। फाइनल में मध्यप्रदेश का मुकाबला मुंबई से होगा।

दिल्ली के 146 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 20 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अर्पित गौड़ (00), शुभ्रांशु सेनापति (07) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद हरप्रीत सिंह ने हर्ष गवली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में हिमांशु चौहान ने हर्ष गवली (30) को आउट कर मध्यप्रदेश को तीसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार ने हरप्रीत सिंह के साथ तूफानी अंदाज में रन बटोरते हुए अटूट साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाई। कप्तान रजत पाटीदार 28 गेंदों में चार चौके और छह छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 66) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं हरप्रीत सिंह ने 38 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 46) रन बनाये। मध्यप्रदेश ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 152 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा ने दो और हिमांशु चौहान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए प्रियांश आर्य और यश ढुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। छठे ओवर में त्रिपुरेश सिंह ने यश ढुल (11) को आउट कर दिल्ली को पहला झटका दिया।

फाइनल में मध्यप्रदेश का मुकाबला मुंबई से होगा

इसके बाद नौवें ओवर में कुमार कार्तिकेयन ने प्रियांश आर्य (29) को आउट कर मध्यप्रदेश को दूसरी सफलता दिलाई। कप्तान आयुष बदोनी (19), हिम्मत सिंह (15) और मयंक राव (24) रन बनाकर आउट हुये। अनुज रावत ने 24 गेंदों में (नाबाद 33) रन बनाये। हर्ष त्यागी नौ रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 146 रनों का स्कोर खड़ा किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)